दैनिक
भारत का बदलता शासन
गाजियाबाद से प्रकाशित
RNI NO: UPHIN2023/88802
हर सच की पहचान...
वर्ष-02, अंक-205, गाजियाबाद, सोमवार, 12.05.2025 पृष्ठ-08, मूल्य-3/-
8527848454

सूर्योदय 05 : 35 | सूर्यास्त 06 : 54
आज का तापमान °C 39/25
वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) - 138

आज का विचार
"कभी हार न मानने की आदत ही,आपकी एक दिन जीत का कारण बनती हैं।"
follow X - @Bharatkbs

शेयर मार्केट
SENSEX 79,454.47
NIFTY 24,273.80

सर्राफा बाजार
सोना प्रति 10 ग्राम 99,495/-
चांदी प्रति किलो ग्राम 99,000/-

श्री धार्मिक रामलीला समिति कविनगर चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न
follow X - @Bharatkbs Page- 3

विला के नाम पर दंपती से 59 लाख की ठगी

गाजियाबाद : नंदग्राम थाना क्षेत्र स्थित राजनगर एक्सटेंशन में दंपती से विला दिलाने के नाम पर 59.35 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। देहरादून निवासी पीड़िता पूजा रस्तोगी ने नंदग्राम थाने में चार लोगों पर केस दर्ज कराया है। पूजा रस्तोगी के अनुसार अगस्त 2019 में उनके पास नेत्रपाल सिंह नाम के शख्स का फोन आया। नेत्रपाल ने राजनगर एक्सटेंशन में हाउसिंग सोसायटी में सस्ते में 100 गज का विला दिलाने का झांसा दिया। पूजा ने पति के साथ नेत्रपाल से संपर्क किया। उसने सोसायटी और प्लॉट दिखाने के लिए राजनगर एक्सटेंशन बुलाया। यहां नेत्रपाल ने नीरज गोस्वामी से मुलाकात कराई। उसे आवास विकास रियल्टी कंपनी का मालिक और मनोकामना रेजीडेंसी का निमार्ता बताया। नीरज ने 100 गज के प्लॉट की कीमत 30 लाख रुपये बताई और बुकिंग के लिए एक लाख रुपये व एग्रीमेंट के लिए 40 प्रतिशत राशि जमा करने को कहा। पूजा ने रुपये के लिए समय मांगा, तो नीरज ने 75 लाख रुपये में प्लॉट पर विला बनाकर देने का प्रस्ताव रखा और जल्द भुगतान न करने पर किसी और को बेचने की धमकी दी।

हिंडन एयरपोर्ट का होगा विस्तार

गाजियाबाद : हिंडन एयरपोर्ट अब अपने पंख और फैलाने को तैयार है। पिछले कुछ महीनों में बढ़ी यात्री संख्या और सुविधाओं की मौजूदा कमी को देखते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने इसके विस्तार की एक महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। यह विस्तार यात्रियों की सुविधाओं के लिए जरूरी है, वहीं सटे हुए सिकंदरपुर गांव के कुछ परिवारों के लिए यह विस्थापन की चिंता भी है। एएआई ने हिंडन एयरपोर्ट के विस्तार के लिए कमर कस ली है। एएआई ने इस संबंध में विस्तृत सर्वे नक्शा तैयार कर मजिस्ट्रेट को सौंप दिया है। जिसके आधार पर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार एयरपोर्ट के कायाकल्प के लिए करीब 35,000 वर्ग गज जमीन की आवश्यकता होगी। इस अतिरिक्त भूमि पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए कई नई सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा।

दिल्ली से मेरठ का सफर हुआ सस्ता

गाजियाबादः एनसीआरटीसी गाजियाबाद में नमो भारत के प्रीमियम कोच का किराया कम कर दिया गया है। अभी न्यू अशोकनगर से मेरठ साउथ तक प्रीमियम कोच का किराया 225 रुपये था, जिसे कम करके 180 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह अन्य स्टेशन का किराया भी कम किया गया है। वहीं, गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन पर एक अत्याधुनिक को-वर्किंग स्पेस की शुरूआत की है। यह पेशेवरों, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों के लिए सुविधाजनक होगा। आधुनिक तकनीकों और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) सेवाओं से लैस यह कार्यस्थल किफायती और काफी लाभकारी सिद्ध होगा।

खास खबरें

पीएम मोदी की युद्धनीति के मुरीद हुए चिदंबरम

पाकिस्तान से हुए सीजफायर के बीच अब पीएम मोदी की नीतियों की जमकर तारीफ हो रही है। कांग्रेस नेता और देश के पूर्व वित्त मंत्री रहे पी चिदंबरम ने भी पीएम मोदी की युद्ध नीति की तारीफ की है। इंडियन एक्सप्रेस में अपने लेख में चिदंबरम ने लिखा, 'पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के सामने एक बड़ी चुनौती थी, कैसे जवाब दिया जाए? कुछ लोग चाहते थे कि भारत तुरंत पाकिस्तान पर हमला कर दे, वे 'बदला' लेना चाहते थे। लेकिन, बहुत कम लोगों को यह एहसास था कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध नहीं हो सकता। चिदंबरम ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन बातों को समझा। उन्होंने सोच-समझकर सीमित सैन्य कार्रवाई का फैसला किया। 7 मई, 2025 को भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 9 ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। माना जाता है कि इन हमलों में आतंकवादी समूहों के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया गया। यह कार्रवाई सीमित थी और इसका मकसद पूरा हो गया। यह एक पीड़ित देश का उचित जवाब था।

हमने घर में घुसकर मारा- रक्षा मंत्री

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ी जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम HQ-9 तबाह हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने अकल्पनीय काम किया है, जिसके लिए उन्हें दिल से बधाई। राजनाथ सिंह ने सेना की तारीफ की और कहा, भारतीय सेना ने शौर्य का परिचय दिया और पीओके में आतंकी कैंप तबाह कर दिए। भारतीय सेना को हृदय से बधाई। दिल्ली में DRDO भवन में नेशनल क्वालिटी कॉन्क्लेव 2025 में बोलते हुए रक्षा मंत्री ने यह बात कही है।

हंसी के गप्पे

हसबैंड - डार्लिंग तुम खुबसूरत होती जा रही हो,
पत्नी किचन से- तुमने कैसे जाना ?
हसबैंड- तुम्हें देखकर तो अब रोटियां भी जलने लगी हैं।

मोबाइल पर गेम खेलने से पागल हुआ लड़का

डॉक्टर भी हैरान, दिन में 18-18 घंटे तक पबजी गेम खेलने से किशोर की मानसिक हालत बिगड़ी

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

बागपत : मोबाइल पर दिन में 18-18 घंटे तक पबजी गेम खेलने से टीकरी के किशोर की मानसिक हालत बिगड़ गई। वह अजीब हरकत करने लगा और नाम पूछने पर पबजी खेल में मिले कोड नंबर बताने लगा तो खेल की तरह गतिविधि करने लगा। किशोर को परिवार वाले अस्पताल लेकर पहुंचे तो जांच में पबजी खेलने से मानसिक स्थिति बिगड़ने के बारे में पता चला। अस्पताल में उसका उपचार शुरू किया गया।

टीकरी कस्बे के रहने वाले राजमिस्त्री ने बताया कि उसके तीन बेटे हैं, जिनमें सबसे बड़ा बेटा मोबाइल पर दिन में 18-18 घंटे तक पबजी खेलता रहता है। पिछले एक सप्ताह से बेटा अजीब हरकत करने लगा। कई दिन तक उन्होंने नजरअंदाज किया, लेकिन बेटे की अजीब हरकतें बढ़ने लगीं। वह पबजी के पात्रों की तरह गतिविधियां करने लगा और अकेला बड़बड़ाने लगा। अब उसने खाना-पीना और बातचीत करना भी बंद कर दिया। बेटे के दोस्तों से बातचीत की तो उन्होंने लगातार पबजी गेम खेलने के बारे में बताया। राजमिस्त्री ने बताया कि लंबे समय तक पबजी खेलने से उसके बेटे की मानसिक हालत बिगड़ गई। उसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल में लेकर पहुंचे तो चिकित्सक ने उसका उपचार शुरू कर दिया।

जिला अस्पताल में उपचार के लिए लाए गए किशोर से पहले सामान्य वार्ड में चिकित्सकों ने बातचीत की। बातचीत में उसने अपना नाम फाइटर 2.0 बताया और फिर पबजी खेल में खिलाड़ी जैसी हरकतें करने लगा। युवक की हरकतें देख चिकित्सक भी हैरान रह गए और मनोचिकित्सक के पास उपचार के लिए भेजा गया।

जिला अस्पताल के मनोचिकित्सक डॉ. अजय कुमार ने बताया कि दिनचर्या में व्यस्तता होने के चलते अभिभावक अपने बच्चों पर ध्यान नहीं दे रहे। अभिभावक अपने कार्यों में व्यस्त रहते हैं और बच्चों को आराम से बैठाने के लिए मोबाइल पकड़ा देते है। शुरूआत में कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन लंबे समय तक बच्चे मोबाइल चलाते हैं तो उन्हें उसकी आदत पड़ जाती हैं। ऐसे में पबजी, फायर फाइटर जैसे कई गेम बच्चों के दिमाग पर प्रभाव डालते हैं। गेम खेलने वाले बच्चे दिनभर उसी तरह की हरकतें करते रहते हैं। ऐसे मामले लगातार बढ़ रहे हैं और अभिभावकों को बच्चों पर ध्यान देने की जरूरत हैं। छोटे बच्चों को अभिभावक मोबाइल से दूर रखे। इसके अलावा किशोर भी ज्यादा देर तक मोबाइल पर लगे रहे तो उनको समझाना चाहिए।

अमरनाथ के लिए ट्रेनों में अभी से वेटिंग, 3 जुलाई से शुरू होगी यात्रा

लखनऊः अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी। ऐसे में जुलाई की अडवांस बुकिंग खुलते ही जम्मू जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग बढ़ने लगी है। वहीं, कुछ दिनों से पाकिस्तान से चल रही तनातनी के बीच श्रीमाता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालु घट गए थे। अब सीजफायर के ऐलान के बाद इनकी संख्या फिर बढ़ने की उम्मीद है। रेलवे में तीन महीने के बजाय अब दो महीने पहले से अडवांस बुकिंग होती है। ऐसे में जुलाई के लिए बुकिंग खुलते ही जम्मू की ट्रेनों में तेजी से बुकिंग हो रही है। लखनऊ से जम्मू जाने वाली बेगमपुरा एक्सप्रेस में तीन जुलाई को स्लीपर में 27 तो थर्ड एसी में 10 की वेटिंग हो गई है। अमरनाथ एक्सप्रेस के स्लीपर में तीन जुलाई को 33 वेटिंग है तो थर्ड एसी फुल है। कोलकाता जम्मूतवी एक्सप्रेस की स्लीपर में पांच जुलाई को 23 और थर्ड एसी में चार वेटिंग है। श्रीमाता वैष्णो देवी एक्सप्रेस के स्लीपर में चार जुलाई को 29 और थर्ड एसी में पांच वेटिंग है। अर्चना एक्सप्रेस की स्लीपर में पांच व आठ जुलाई की बुकिंग फुल हो चुकी है, जबकि थर्ड एसी में वेटिंग है। हिमगिरी एक्सप्रेस के स्लीपर में पांच व छह जुलाई को 16 व 20 और थर्ड एसी में आठ व 19 की वेटिंग है। फिलहाल जम्मूतवी समर स्पेशल में थर्ड एसी इकॉनॉमी में सीटें खाली हैं। वहीं, पाकिस्तान से तनातनी के बीच जम्मू में ड्रोन अटैक के बाद माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालु घट गए थे। सीजफायर के ऐलान के पहले तक शनिवार को ही लखनऊ से करीब 450 से ज्यादा टिकट कैंसिल हुए। सीजफायर के बाद एक फिर से श्रद्धालु बढ़ सकते हैं। सीजफायर के ऐलान के बाद टूर ऐंड ट्रैवेल्स कारोबार को बड़ी राहत पहुंची है। भारत-पाक तनाव के बीच लखनऊ से करीब 12 हजार से ज्यादा टूर पैकेज रद्द हुए। इसके अलावा तमाम लोगों ने घूमने का प्लान रद्द कर था, लेकिन नए ऐलान के बाद टूर पैकेज की बुकिंग फिर तेज हो सकती है।

नाले में गिरने से अस्पताल कर्मी मनोज की मौत

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र में रविवार को भारतमाता चौक के पास बने नाले के किनारे पर बैठे अस्पताल कर्मी की मौत हो गई। गोताखोरों ने युवक का शव बाहर निकाला। मृतक की शिनाख्त नाले के पास रखे बैग में मिले दस्तावेजों से डीएलएफ कालोनी के मनोज के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। मृतक निजी अस्पताल में वार्ड ब्वाय की नौकरी करता था।

डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने बताया कि युवक के नीचे गिरने की सूचना मिली थी। शाम करीब 4:30 बजे मिली सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों से पूछताछ में पता चला कि नाले में गिरने वाला युवक नशे की हालत में था। युवक को पुलिया के ऊपर काम कर रहे कामगार ने नाले में गिरते देखा था। पुलिस ने तुरंत गोताखोरों को बुलाकर नाले में तलाश शुरू कराई।

बुलडोजर की मदद से भी नाले में युवक की तलाश की गई। करीब डेढ़ घंटे बाद घटनास्थल से 30 मीटर की दूरी पर युवक का शव नाले की कीचड़ में दबा हुआ मिला। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। नाले के पास एक बैग रखा हुआ था। जब बैग में दस्तावेज देखे तो पता चला कि मृतक का नाम मनोज है। शिनाख्त होने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है।

कचहरी में इसी सप्ताह शुरू होगा ई-सुविधा केंद्र

गाजियाबाद। जिला अदालत परिसर में वादकारियों और अधिवक्ताओं की सहूलियत के लिए तैयार किए गए ई-सुविधा केंद्र का संचालन इसी सप्ताह शुरू हो जाएगा। केंद्र संचालन के लिए पोटा केबिन का निर्माण हाईकोर्ट की निगरानी में मुंबई की एक विशेषज्ञ एजेंसी द्वारा किया गया है। इसके शुरू होने से वर्चुअल कोर्ट, चालान भुगतान, ई-फाइलिंग जैसी कई सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो जाएंगी। अभी केंद्र में बिजली का कनेक्शन शुरू नहीं हुआ था। जल्द ही कनेक्शन हो जाएगा।

चारधाम यात्रा : 12 दिन में साढ़े पांच लाख भक्तों ने किए दर्शन

धूप और बारिश भी आस्था के आगे नतमस्तक

रुद्रप्रयाग। भारत-पाकिस्तान के बीच तनातनी के दरमियान भी चारों धाम में जबरदस्त उत्साह है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में तीर्थयात्री चारधाम दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यहां भक्त भारत माता और भारतीय सेना के जयकारे भी लगा रहे हैं। यात्रा शुरू होने के 12 दिन के भीतर ही साढ़े पांच लाख से अधिक तीर्थयात्री चारों धाम में मत्था टेक चुके हैं। सबसे अधिक उत्साह बाबा केदार के दर पर देखा जा रहा है। यहां कपाट खुलने के बाद 10 दिन में 2,26,853 तीर्थयात्री पहुंचे हैं।

इस बार चारधाम यात्रा की शुरूआत 30 अप्रैल को यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ हुई थी। इसके बाद दो मई को केदारनाथ धाम के कपाट खुले और चार मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ यात्रा ने पूर्णता प्राप्त की। पहले दिन से ही यात्रा में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, जो निरंतर जारी है। भक्तों के उत्साह का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि चारधाम का पल-पल बदलता मौसम भी उनके हौसले को डिगा नहीं पा रहा। तेज धूप और वर्षा में भी तीर्थयात्री कतार में लगकर तल्लीनता के साथ दर्शन के लिए अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे है।

ऑपरेशन सिंदूर — **पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमने कई आतंकी ठिकानों की पहचान की थी, जो टारगेट था वह अचीव हुआ**

टॉप मिलिट्री अधिकारियों ने बताई 'ऑपरेशन सिंदूर' की पूरी डिटेल

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

नई दिल्ली: इंडियन मिलिट्री के टॉप अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की डिटेल साझा की और कहा कि जो टारगेट था वह अचीव हुआ। DG MO लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमने कई आतंकी ठिकानों की पहचान की थी। पर कई आतंकी ठिकाने डर की वजह से खाली हो गए थे। हमने काफी सोच-समझकर टारगेट तय किए गए। 100 से ज्यादा आतंकी स्ट्राइक में मारे गए। इसमें हाई वैल्यू टारगेट भी थे।

जब पाकिस्तान ने ड्रोन अटैक किया तो हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें फेल किया पाकिस्तान की तरफ से हमारे एयर फील्ड को निशाना बनाने की कोशिश की। जो हमने फेल किए। हमने अपना डिप्लॉयमेंट और मजबूत किया। आर्टिलरी फायर में पाकिस्तान के 35-40 सैनिकों का नुकसान हुआ।

एयर मार्शल ए.के. भारती ने वीडियो दिखाते हुए बताया कि भारत की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान एयर डिफेंस रडार और एयरफील्ड का नुकसान हुआ है। उन्होंने पासरूर एयर डिफेंस रडार चुनियां एयर डिफेंस रडार, अरीफवाला एयर

डिफेंस रडार, सरगोधा एयरफील्ड, रहीम यार खान एयरफील्ड, चकलाला एयरफील्ड (नूर खान), सुक्कुर एयरफील्डट, भुलारी एयरफील्ड, जैकोबाबाद एयरफील्ड में हुई स्ट्राइक और उसके असर के वीडियो भी साझा किए। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट संदेश देने के लिए था कि आक्रामकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

DG AO एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि स्ट्राइक के लिए एयर टू सर्फेस गाइडेड एम्युनिशन का इस्तेमाल किया गया ताकि कोलेटरल डैमेज ना है। एयरफोर्स ने मुरीदके और बहावलपुर में आतंकी ट्रेनिंग कैंप को सटीक निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि स्ट्राइक का मकसद अचीव हुआ। बहावलपुर में हाई वैल्यू टारगेट था। हमने प्रिसिजन स्ट्राइक की। हमने 6/7 मई की रात को पाकिस्तान के किसी मिलिट्री ठिकाने निशाना नहीं बनाया। हालांकि 7 मई की शाम को पाकिस्तान ने हमारे मिलिट्री ठिकाने और सिविल एरिया को निशाना बनाया। तब हमने उनके एयर डिफेंस सिस्टम और रडार को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने फिर जब ड्रोन अटैक किए तो हमने फिर उनके एयर बेस, कमांड सेंटर, एयर डिफेंस सिस्टम को पूरे बॉर्डर पर निशाना बनाया। हमारे पास उनके हर बेस को हर सिस्टम को टारगेट करने की क्षमता है। बस उन्हें सद्बुद्धि आए इसलिए हमने संतुलित स्ट्राइक की।

मिलिट्री ऑफिसर्स ने कहा कि शुरू से हमारी लड़ाई पाकिस्तान मिलिट्री या किसी और से नहीं थी, हमारी जंग आर्तकियों के खिलाफ थी। लेकिन जब पाकिस्तान ने हमारे मिलिट्री ठिकानों को निशाना बनाया तो हमने जवाबी कार्रवाई की।

खास खबरें

सेना की जानकारी पाकिस्तान भेज रहे दो जासूस दबोचे गए, पंजाब पुलिस ने दिल्ली से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत की सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान को भेजने के आरोप में दो जासूसों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। यह दोनों नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान हाई कमीशन में तैनात एक अधिकारी के संपर्क में थे और कथित रूप से पैसों के बदले पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों को जानकारी भेज रहे थे। पंजाब पुलिस के मलेरकोटला थाने ने पहले एक आरोपी को दबोचा था, जिसकी पूछताछ के बाद दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी हुई। दोनों आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं और उनके खिलाफ आधिकारिक एफआईआर दर्ज की गई है। पंजाब पुलिस के डीजीपी ने बताया कि यह गिरोह सेना की गतिविधियों, विशेषकर मूवमेंट से जुड़ी सूचनाएं पाकिस्तान को पहुंचा रहा था। पुलिस ने इसे जासूसी नेटवर्क को ध्वस्त करने की अहम सफलता बताया है। उन्होंने कहा कि अब इस नेटवर्क के वित्तीय लेन-देन, अन्य सहयोगियों और विदेशी संपर्कों की पहचान पर फोकस किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस देश की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के लिए पूरी तरह सजग और प्रतिबद्ध है, और ऐसे किसी भी नेटवर्क को पनपने नहीं देगी।

साईं मंदिर में फूल-माला ले जाने पर प्रतिबंध, दुकानदारों पर पड़ेगा इसका असर

शिरडी (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर महाराष्ट्र में महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। शिरडी स्थित साईं बाबा मंदिर, जहां लाखों श्रद्धालु आते हैं, की सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई है। साईं संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने बताया है कि साईं बाबा संस्थान ने रविवार से साईं मंदिर में माला, फूल और प्रसाद ले जाने पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। दरअसल शिरडी के साईं मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले एक ईमेल के बाद मंदिर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अहिल्यानगर जिले के पुलिस अधीक्षक राकेश ओला ने साईं मंदिर का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके साथ ही साईंबाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक के बाद साईं संस्थान ने जानकारी दी है कि रविवार दिनांक 11 मई से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव सुलझने तक साईं मंदिर में माला, फूल, प्रसाद और मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। महाराष्ट्र पुलिस, क्यूआरटी, एमएसएफ जैसी विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के 1,000 से अधिक सुरक्षा गार्ड साईं मंदिर की सुरक्षा कर रहे हैं। आपको बता दें कि कोरोना काल में साईं मंदिर में फूल और प्रसाद लाने पर रोक थी। अदालती लड़ाई के बाद दो साल बाद ये प्रतिबंध हटा लिया गया। अब भारत-पाकिस्तान विवाद के मद्देनजर एक बार फिर साईं मंदिर में माला, फूल और प्रसाद ले जाने पर प्रतिबंध लग गया जिससे फूल माला और प्रसाद दुकानदार एक बार फिर प्रभावित होंगे।

लावारिस खड़ी पिकअप से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में एक लावारिस खड़ी पिकअप से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। पुलिस ने शुक्रवार देर रात मोहनपुरा पुलिया के पास कुल 2075 किलो विस्फोटक बरामद किया। पुलिस ने इसकी जानकारी पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन को दे दी है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही। पिकअप मालिक या चालक का पुलिस अभी तक पता नहीं लगा सकी है। डीओ एएसआई ने बस्सी थाने में इस विस्फोटक सामग्री की एफआईआर दर्ज कराई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है वह शुक्रवार रात गश्त पर थे। इस दौरान रात 2.30 बजे हेड कॉन्स्टेबल का फोन आया। उसने बताया कि मोहनपुरा पुलिया के पास दोसा से जयपुर की तरफ आगरा रोड पर अंशिका चाय की दुकान के सामने एक लावारिस पिकअप खड़ी है। इसमें कुछ कार्टन रखे हैं जो संदिग्ध मालूम हो रहे हैं। गाड़ी का चालक भी नहीं है। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। पिकअप की जांच की गई तो कार्टन पर ऑप्टिस्टार एक्सप्लोसिव लिखा हुआ था। नीचे सफेद कट्टों में अमोनियम नाईट्रेट लिखा हुआ था। गाड़ी में कुल 63 कार्टन और 10 प्लास्टिक के कट्टे मिले। 63 कार्टन पर शुद्ध वजन 25 किलो और 10 प्लास्टिक के कट्टों पर 50 किलो लिखा था। इनमें सफेद दाने नुमा पदार्थ था। चालक की तलाश की गई, लेकिन उसका पता नहीं चला। पिकअप नम्बर के आधार पर वाहन मालिक का पता ईश्वर सिंह पुत्र अर्जुन सिंह रावत निवासी शिवपुर नरेली मांडल भीलवाड़ा के रूप में सामने आया है। पिकअप मालिक से भी कोई सम्पर्क नहीं हुआ है। पिकअप का स्टेयरिंग लॉक था, इस पर क्रेन की सहायता से पिकअप को मौके से हटाया गया।

दिल्ली में विमानों का परिचालन सामान्य, बदलते परिदृश्य से कुछ उड़ानों पर असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर रविवार को विमानों का परिचालन सामान्य नजर आया, लेकिन हवाई क्षेत्र के बदलते परिदृश्य के चलते कुछ उड़ानों पर असर पड़ सकता है और सुरक्षा बढ़ाए जाने से सुरक्षा जांच प्रक्रिया में पहले से ज्यादा समय लग सकता है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में एयरपोर्ट के अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई थी, जो अभी भी लागू है। भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र पर सभी प्रकार की गोलेबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि दिल्ली अड्डे पर विमानों का परिचालन सामान्य रूप से जारी है। हालांकि, हवाई क्षेत्र के बदलते परिदृश्य और सुरक्षा बढ़ाये जाने के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं और सुरक्षा जांच में पहले की तुलना में ज्यादा समय लग सकता है। डीआईएएल दिल्ली में स्थित देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करता है। डीआईएएल ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे सुरक्षा जांच के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें और सुचारू सुविधा के लिए विमानन कंपनी और सुरक्षाकर्मियों के साथ सहयोग करें।

ब्रह्मोस का भारत ने पहली बार उपयोग कर पाकिस्तान को किया बेदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान को बेदम करने में ब्रह्मोस का बड़ा योगदान है। यह पहला मौका है जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत ब्रह्मोस का उपयोग किया। भारत की सशस्त्र सेनाओं ने पाकिस्तान के कई प्रमुख सैन्य अड्डों पर सटीक और योजनाबद्ध तरीके से हमले किए। इन हमलों में अत्याधुनिक मिसाइलों और आधुनिक गाइडेड हथियारों का उपयोग किया गया, जिसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, स्कैल्प एयर-लॉन्च क्रूज मिसाइल और हैमर गाइडेड म्यूनिशन जैसे हथियार शामिल बताए जा रहे हैं।

भारतीय सेना ने केवल सैन्य और तकनीकी ठिकानों को ही निशाना बनाया जैसे कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, रडार स्टेशन, यूएवी बेस और हथियार भंडार स्थल। मुरिद एयरबेस पाकिस्तानी ड्रोन और यूएवी गतिविधियों का मुख्य केंद्र है, वहीं रफीकी बेस में उन्नत फाइटर स्क्वॉड्रन तैनात हैं। चकलाला स्थित नूर खान बेस में पाकिस्तानी वायुसेना की भारी परिवहन क्षमता और ईंधन भरने वाले विमानों की तैनाती है। भारतीय वायुसेना के राफेल लड़ाकू विमानों से लॉन्च किए गए ये हथियार पाकिस्तानी वायुसेना के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ठिकानों जैसे कि रफीकी (झंग), मुरिद (चक्कवाल), नूर खान (चकलाला, रावलपिंडी), रहीम यार खान, सुक्कुर और चुनीयां (कसूर) को निशाना बनाया गया। स्कर्दू, भोलारी, जैकबाबाद और सरगोधा के एयरबेस को भी गंभीर क्षति पहुंची है। वहीं, पस्रूर और सियालकोट में रडार ठिकानों को भी सटीक हथियारों से ध्वस्त किया गया। भारत की ओर से ब्रह्मोस मिसाइल के उपयोग की औपचारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन जानकार सूत्रों का कहना है कि यह इस क्रूज मिसाइल की पहली युद्ध उपयोगिता हो सकती है। यह मिसाइल भारतीय वायुसेना और नौसेना के सबसे खतरनाक हथियारों में से एक मानी जाती है।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम

भारतीय सेना ने बताया कि पाकिस्तान ने श्रीनगर से लेकर नलिया तक 26 से अधिक स्थानों पर हवाई घुसपैठ की कोशिश की, जिसे भारतीय वायुसेना ने सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि हमने सभी घुसपैठ प्रयासों को निष्क्रिय किया। हालांकि उधमपुर, पठानकोट, आदमपुर और भुज में कुछ उपकरणों और जवानों को सीमित क्षति पहुंची है। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान ने श्रीनगर, अवंतीपुर और उधमपुर एयरबेस पर मौजूद स्वास्थ्य केंद्र और स्कूल परिसर को भी निशाना बनाया, जो स्पष्ट रूप से नागरिक ढांचे पर हमला है।

दिल्ली में कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगे इंदिरा गांधी के पोस्टर

नई दिल्ली । भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम के बाद लोग अब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को याद कर रहे हैं। साल 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से अलग करने की घटना को भी लोग याद कर रहे हैं। वहीं दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर इंदिरा गांधी के पुराने पोस्टर लगे हैं, जिस पर इंदिरा होना आसान नहीं और इंडिया मिसेस इंदिरा जैसे नारे लिखे हैं। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इंदिरा गांधी की तारीफ करते हुए अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा की। उन्होंने 1981 की एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि अमेरिका के विरोध के बावजूद इंदिरा गांधी ने भारत के लिए 5.8 बिलियन डॉलर का आईएमएफ ऋण हासिल किया था, ताकि तेल की कीमतों में तीन गुना वृद्धि से निपटा जा सके। अमेरिका ने आईएमएफ की कार्यकारी बोर्ड बैठक में हिस्सा नहीं लिया था। जयराम रमेश ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, 9 नवंबर 1981 को आईएमएफ ने भारत को 5.8 बिलियन डॉलर का ऋण स्वीकृत किया। अमेरिका ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी और कार्यकारी बोर्ड की बैठक से दूर रहा था। लेकिन इंदिरा गांधी आईएमएफ को यह समझाने में सफल रहीं कि तेल की कीमतों में तीन गुनी वृद्धि से निपटने के लिए भारत को ऋण की आवश्यकता है। इसके अलावा, उन्होंने फरवरी 1984 की एक घटना की ओर ध्यान आकर्षित किया, जब तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने बजट पेश किया और भारत द्वारा आईएमएफ कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की। जयराम रमेश की एक्स पोस्ट में आगे लिखा गया है, 29 फरवरी, 1984 को जब प्रणब मुखर्जी ने बजट पेश किया था, तो उन्होंने उनसे यह घोषणा करवाई थी कि भारत ने आईएमएफ कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और वह स्वीकृत राशि में से 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर नहीं ले रहा है। यह आईएमएफ के इतिहास में शायद अनोखी बात है।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद बारामुला पहुंची महबूबा मुफ्ती

पटना (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का ऐलान के एक दिन बाद जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बारामुला का दौरा किया। उन्होंने बारामुला में पाकिस्तान की गोलीबारी से घायल हुए लोगों से मुलाकात की और स्थितियों काा जायता लिया। जम्मू कश्मीर के बारामुल्ल में पाकिस्तानी गोलाबारी में घायल हुए लोगों से मिलने के बाद पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा, मैं अस्पताल गई और घायलों से मिली। अस्पताल में घायलों का उपचार करने के लिए डॉक्टरों का आभार जताया। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि भारत-पाकिस्तान के बीच घोषित युद्धविराम स्थायी सीजफायर साबित होगा। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की है कि वे उन लोगों की भी जरूरी सहायता करें, जिन्होंने पाकिस्तानी गोलाबारी में अपने घर खो दिए। इससे पहले शनिवार को भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम का ऐलान पर पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने खुशी जताई थी। उन्होंने दोनों देशों के बीच हुए फैसला का स्वागत करते हुए कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप करने पर भारत और

पाकिस्तान के बीच तत्काल युद्ध विराम सराहनीय कदम है। उन्होंने आगे कहा था कि दोनों देश दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की दिशा में काम करेंगे। युद्ध विराम का ऐलान जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए खुशखबरी है। यहां पर बहुत से लोग जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, वे पाकिस्तानी गोलीबारी में मारे गए हैं। पीडीपी प्रमुख ने जम्मू कश्मीर पहलगाम आतंकी हमले के बाद से जारी खून-खराबे से बचने के लिए राजनयिक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंसक घटनाओं की वजह से हमारे क्षेत्र के लोगों ने लंबे समय से इसके दंश को झेला है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में इंडिया को अब तनाव कम करने और शांति को बढ़ावा देने की दिशा में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

सीजफायर पर बिहार में राजनीति गरमाई, गिरिराज बोले- सेना और प्रधानमंत्री ने देश का सिर ऊँचा किया

पटना (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव और हालिया सीजफायर समझौते के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि सेना के शौर्य और प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने देश का मस्तक गर्व से ऊँचा कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज हर हिंदुस्तानी गर्व से कह सकता है कि वह इस देश का नागरिक है।

गिरिराज सिंह ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा, जो लोग देश के खिलाफ बोलते हैं, उन्हें देश कभी स्वीकार नहीं करेगा। देश की जनता ने जो अपेक्षा की थी, उसे सेना और प्रधानमंत्री ने पूरा किया है। विपक्ष कुछ भी कहता रहे, लेकिन ये देश सेवा में लगे हैं।

पोस्टर पॉलिटिक्स भी हुई तेज

सीजफायर की पृष्ठभूमि में बिहार में राजनीतिक बयानबाजी भी जोर पकड़ रही है। बिहार कांग्रेस ने पटना में कई जगहों पर पोस्टर लगाए हैं, जिन पर लिखा गया है, मां तुझे सलाम, हर कोई इंदिरा गांधी नहीं हो सकता। यह पोस्टर स्पष्ट रूप से वर्तमान नेतृत्व की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से करता नजर आ रहा है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कांग्रेस पर पलटवार किया और कहा कि, कांग्रेस के बड़े नेता मल्लिकार्जुन खड़गे या राहुल गांधी की तरफ से कोई विरोधाभासी बयान नहीं आया है। लेकिन कुछ स्थानीय कांग्रेस नेता सस्ती लोकप्रियता के लिए इस तरह के पोस्टर और बयानबाज़ी कर रहे हैं, जिसका कोई महत्व नहीं है।

इस राजनीतिक गर्मी के बीच देशभर में जनता और राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या सीजफायर और ऑपरेशन सिंदूर के निर्णयों को लेकर संसद में बहस होनी चाहिए।

मनोज तिवारी बोले- ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के नहीं, आतंकवाद के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर पर बनी सहमति के बाद बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ किया कि भारत का उद्देश्य युद्ध नहीं है, बल्कि आतंकवाद का खात्मा है। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से तरक्की कर रहा है और शांति चाहता है, लेकिन आतंकी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। एक बातचीत के दौरान मनोज तिवारी ने कहा, कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के नागरिकों के खिलाफ नहीं, बल्कि आतंकवादियों के खिलाफ था। यह अभियान आतंक के ठिकानों को नष्ट करने के लिए चलाया गया, और ऐसे ऑपरेशन भविष्य में भी जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत ने सीजफायर को स्वीकार जरूर किया है, लेकिन पाकिस्तान के पिछले रुख को देखते हुए सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि हम कुछ घंटे इंतजार करेंगे, क्योंकि पाकिस्तान पर भरोसा करना आसान नहीं है। भारत की नीति स्पष्ट है — अगर एक भी आतंकी गतिविधि होती है, तो उसे युद्ध की घोषणा माना जाएगा। मनोज तिवारी ने यह भी स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और उसके नागरिकों को निशाना नहीं बनाया गया, बल्कि आतंकियों पर प्रहार किया गया। उन्होंने कहा, हमने केवल आतंकी ठिकानों पर हमला किया। पाकिस्तान द्वारा यह अफवाह फैलाई गई कि भारत ने मस्जिदों को निशाना बनाया, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। उन्होंने भारतीय सेना के संयम और साहस की सराहना करते हुए बताया कि जब पाकिस्तान की ओर से नागरिक विमानों के दौरान हमले की कोशिश हुई, तब भी भारत ने अत्याधिक संयम दिखाया। हमारी सेना ने जवाबी कार्रवाई में भी नागरिक विमानों को नुकसान नहीं पहुंचाया।

चीन ने कहा- हम पाकिस्तान के साथ, इधर एनएसए डोभाल ने लगाया फोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत पाकिस्तान के बीच चले तनाव को अंततः शनिवार को सीजफायर की घोषणा करके खत्म कर दिया गया। इधर शाम 5 बजे सीजफायर हुआ, उधर ठीक 3 घंटे बाद पाकिस्तान ने अपनी औकात दिखा। सीमा पर फायरिंग की और ड्रोन भी छोड़ दिए। थोड़ी ही देर में चीन ने प्रतिक्रिया देते हुए साफ कह दिया कि वो पाकिस्तान की संप्रभुता की हर हाल में रक्षा करेगा।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से बात की और उम्मीद जताई कि भारत एवं पाकिस्तान टकराव की इस स्थिति का बातचीत के जरिए समाधान निकालेंगे और स्थायी युद्धविराम की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिंहुआ' के मुताबिक बातचीत के दौरान डोभाल ने वांग से कहा कि युद्ध का विकल्प भारत ने नहीं चुना लेकिन पहलगाम हमले के बाद उसे आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने की जरूरत थी।

वांग ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की निंदा की। इस हमले में पाकिस्तान का हाथ है। इस हमले के बाद से ही भारत तथा पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। 'शिंहुआ' की खबर के अनुसार, वांग ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मोहम्मद इसहाक डार से भी बात की। पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई किए जाने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी।भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि पाकिस्तान की तरफ से एक बार फिर सीजफायर का उल्लंघन हो रहा है। ऐसे में भारत को भी मुंहतोड़ जवाब देना पड़ेगा। इसके बाद पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की तरफ से बयान जारी कर कहा गया कि पाकिस्तान भारत के साथ वफादारी के साथ सीजफायर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उसने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ जगहों पर भारत की तरफ से सीजफायर का उल्लंघन हुआ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि सही तरीके से बातचीत के माध्यम से सीजफायर को लागू करने की जरूरत है। साथ ही पाकिस्तान की सरकार ने अपने सैनिकों से अपील की है कि वे संयम बरतें।

तेजस्वी यादव ने पाकिस्तान को बताया आतंकिस्तान, पीएम मोदी से की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

पटना (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम की घोषणा होते ही बिहार के नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बड़ा आग्रह किया है। तेजस्वी ने पाकिस्तान को आतंकिस्तान करार देते हुए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है।

तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री जी से आग्रह है कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर पहलगाम की आतंकी घटना से लेकर सीजफायर तक तिथिवार और बिंदुवार जानकारी देते हुए देश को भरोसे में लें। उन्होंने कहा कि संसद के माध्यम से समस्त भारतवासी एकजुट होकर भारतीय सेना के शौर्य, वीरता और पराक्रम को धन्यवाद दें और आतंक की प्रयोगशाला चलाने वाले देश आतंकिस्तान (पाकिस्तान) को एक साझा संदेश दें।

गौरतलब है कि 6 और 7 मई की मध्यरात्रि से भारत और पाकिस्तान के बीच शुरू हुई हिंसा 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हो गई। दोनों देशों के डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) के बीच बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया कि 10 मई शाम पांच बजे से दोनों देशों के बीच सीजफायर लागू हो जाएगा।

तेजस्वी यादव ने पाकिस्तान को आतंकिस्तान करार देते हुए कहा कि यह देश आतंक की प्रयोगशाला चला रहा है और भारत को इसे सख्त संदेश देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को संसद में इस मुद्दे पर चर्चा कर देशवासियों को सटीक जानकारी देनी चाहिए। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर सवाल उठा रहा है। तेजस्वी यादव के अलावा विपक्ष के कई अन्य नेताओं ने भी सरकार से स्पष्टीकरण और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है।

अब सौ बार सोचेगा पाकिस्ताक सीजफायर से पहले भारत ने कर दिया बड़ा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर वाइस मार्शल (रिटा.) एके सिंह का कहना है कि सीजफायर से पहले भारत ने अपना काम कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर का मुख्य उद्देश्य ही आतंकियों को कैंपों को ध्वस्त करना था। इस काम में सौ फीसद सफलता हासिल हो गई। आतंकियों की कमर भारतीय सेना ने तोड़ दी। एके सिंह ने कहा कि यही नहीं आतंकियों के जनाजे में शामिल होकर पाकिस्तान ने स्वयं ही पूरी दुनिया के सामने अपने आपको बेनकाब कर दिया। भारत का ऑपरेशन सौ फीसद सफल रहा। सीजफायर की घोषणा यह दर्शाती है कि पाकिस्तान ने भारत के सामने सरेंडर कर दिया। देश के असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ (वेपंस) रहे एके सिंह ने कहा उन्होंने कहा कि देश का एयर डिफेंस सिस्टम अभेद्य सुरक्षा तंत्र साबित हुआ है। इससे पाकिस्तान के होश उड़ गए हैं। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि करें तो क्या करें? उसके ड्रोन खिलौने साबित हो रहे थे। भारत ने तो कार्रवाई शुरू ही नहीं की थी। केवल पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे हमलों का थोड़ा-बहुत जवाब दिया जा रहा था। सिंह ने कहा कि जब ऑपरेशन होता तो पाकिस्तान 15 दिन के भीतर ही घुटने टेक देता। पूरी दुनिया में भारत की पहचान आगे बढ़कर युद्ध करने की नहीं रही है। हमने तभी युद्ध किया है जब थोपा गया है। इस पहचान को भारत खत्म नहीं करना चाहता। इस वजह से ही भारत धैर्य से जवाब दे रहा था। भारत की ताकत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 100 किलोमीटर दूर आतंकी कैंपों को नष्ट कर दिया गया। नष्ट करने के दौरान आम लोगों का किसी भी प्रकार का नुकसान न होना, यह दर्शाता है कि भारत कितना जिम्मेदार राष्ट्र है। पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया था। उसके बदले में हमने आतंकियों के कैंपों को नष्ट किया। उन्होंने कहा कि हर बार पाकिस्तान की बुरी तरह हार हुई है। 1965, 1971 की लड़ाई के साथ ही कारगिल युद्ध भी उसे याद है। किसी भी स्तर पर वह कभी टिका ही नहीं। कुछ ताकत उसकी बढ़ी है, लेकिन भारत के मुकाबले कुछ भी नहीं है। सीधी लड़ाई में 15 दिन से अधिक पाकिस्तान नहीं टिक सकता। इसे ध्यान में रखकर उसने सीजफायर की तरफ कदम बढ़ाया है। सिंह कहा कि भारत को जो करना था, वह कर दिया। आतंकी कैंपों को नष्ट करना भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इतना बड़ा नुकसान पाकिस्तान को हो चुका है कि उसकी भरपाई करना उसके लिए संभव नहीं। आतंकियों की बदौलत ही वह भारत में छोटी-मोटी हरकत करता रहता था। अब हरकत करने से पहले सोचना पड़ेगा। एके सिंह ने कहा कि आतंकियों की कमर टूटने से पाकिस्तान का एकजुट रहना मुश्किल है। वह कश्मीर को अशांत बताकर अपने लोगों को एकजुट रखने का प्रयास करता है। पहलगाम हमले के बाद कश्मीर के लोगों ने जिस एकजुटता का परिचय दिया है, वह अकल्पनीय है। इससे पाकिस्तान को काफी निराशा हुई है। उन्होंने कहा कि पाक

आर्मी चीफ ने जो बयान दिया था, उसका उद्देश्य था हिंदू-मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करना। इसमें वह कामयाब नहीं हुआ। पहलगाम हमले के बाद कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक देश के लोगों ने एकजुटता का परिचय दिया। यही अपने देश की मूल ताकत है। यह ताकत पाकिस्तान के पास नहीं। आज नहीं तो कल ब्लूचिस्तान नया देश बनकर सामने आएगा।

श्री धार्मिक रामलीला समिति कविनगर चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न

ललित जायसवाल अध्यक्ष एवं भूपेंद्र चोपड़ा महामंत्री पुनः निर्वाचित घोषित

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। कवि नगर रामलीला मैदान स्थित जानकी सभागार में श्री धार्मिक रामलीला समिति (पंजी०), कविनगर की साधारण सभा की बैठक में कार्यकारिणी समिति के त्रिवार्षिक चुनाव वर्ष 2025-28 हेतु सर्व सम्मति से संपन्न हुए। समिति के सभी दस पदो एवं इक्कीस कार्यकारिणी सदस्यों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। पूर्व प्रशासनिक अधिकारी सर्वजीत राम, पीसीएस (सेनि) चुनाव अधिकारी की देख रेख में संपन्न चुनाव प्रक्रिया के उपरांत चुनाव परिणामों की घोषणा की गई। सभी पदो पर सौहार्द पूर्ण वातावरण में चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए।

घोषित चुनाव परिणामो के अनुसार पुनः ललित जायसवाल को (अध्यक्ष) एवं भूपेंद्र चोपड़ा को (महामंत्री) निर्वाचित घोषित किया गया। अन्य पदो पर निर्वाचित पदाधिकारी निम्न प्रकार से है, विवेक मित्तल (कोषाध्यक्ष), उपाध्यक्ष पदो पर अजय जैन, गुलशन बजाज, अवनीश गर्ग एवं विपुल शर्मा के साथ तरुण चुटानी (प्रचार मंत्री), पवन गुप्ता (मंत्री) और राजेश गर्ग (सह-मंत्री)।

कार्यकारिणी सदस्यों हेतु सुनील निगम, आलोक गर्ग, संजय मित्तल, नवेंदु सक्सेना, दीपक कुमार, विनय जिंदल, सुशांत चोपड़ा, अजय अग्रवाल, वेदपाल कुशवाहा, मनोज गोयल, ऋषि माकड़, पुनीत बेरी, आनंद गर्ग, मुकेश सिंघल, रमन मिगलानी, सुरेश महाजन, डीपी कौशिक, अजय गुप्ता, दिवाकर सिंघल, मयंक जैन और सचिन कुमार निर्वाचित घोषित हुए।

इससे पूर्व समिति के संरक्षक गण सर्वश्री बलदेव राज शर्मा, ललित मोहन मित्तल, नेम प्रकाश गोयल, विजय जिंदल, जेडी जैन का स्वागत समिति अध्यक्ष ललित जायसवाल एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में साधारण सभा के सदस्य उपस्थित हुए।

समिति के महामंत्री भूपेंद्र चोपड़ा ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए समिति के कार्यक्रमों, उपलब्धियों एवं योजनायों का उल्लेख किया और सभी सदस्यों, सहयोगियो एवं दानदातायो का आभार व्यक्त किया। समिति के अध्यक्ष ललित जायसवाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी सदस्यों एवं संरक्षक गण का मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु धन्यवाद दिया एवं सर्व सम्मति से शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। समिति के संरक्षक बलदेव राज शर्मा ने भी बैठक को संबोधित किया। बैठक का प्रारंभ एवं समापन गायत्री मंत्रों के साथ किया गया।

नूरनगर को जोड़ने वाली नई सड़क के निर्माण के लिए

किसानों से सर्किल रेट से दोगुने मूल्य पर ली जायेगी जमीन

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। जीडीए ने राजनगर एक्सटेंशन में बंधा रोड से नूरनगर को जोड़ने वाली नई सड़क के निर्माण के लिए जमीनी कार्य तेजी से आगे बढ़ाया है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया कि किसानों से भूमि का क्रय वर्तमान सर्किल रेट के दोगुने मूल्य पर आपसी सहमति से किया जाएगा। जिसके लिए पूर्व मे किसानो द्वारा सहमति दी गयी है। यह पहला गाँव है जहाँ पर 100 प्रतिशत किसानो ने सड़क निर्माण के लिए अपनी सहमति दी है।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने सड़क निर्माण को लेकर औपचारिक स्वीकृति दे दी है और टेंडर प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। अब अनुबंध की कार्यवाही शीघ्र पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। साथ ही सड़क निर्माण के लिए किसानों से सहमति आधारित बैनामा अब शुरू कराया जाएगा। यह सड़क 18 मीटर चौडाई मे लगभग 750 मीटर लंबी तथा 24 मीटर चौडाई मे 350 मीटर लंबी है। भूमि क्रय मे लगभग 32 करोड़ रुपये प्राधिकरण द्वारा खर्च किया जायेगा। सड़क निर्माण मे संभावित व्यय 10 करोड़ रुपये है।

इससे पहले जीडीए की भू-अर्जन और अभियंत्रण अनुभाग की टीम द्वारा स्थल का निरीक्षण कर टोटल स्टेशन सर्वे के आधार पर भूमि का चिन्हांकन किया गया। किसानों की मांग पर 18 मीटर और 24 मीटर चौड़ी सड़क के लिए पिलरिंग की प्रक्रिया भी की गई है।

सड़क निर्माण से क्षेत्र को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी और मानचित्र स्वीकृति कर क्षेत्र का सुनियोजित विकास भी होगा व राजस्व भी प्राप्त होगा, जिसका उपयोग अन्य सड़को के विकास कार्यों में किया जाएगा जैसे हम तुम रोड, प्रस्तावित कमिशनेरेट सड़क और सिकरोड जैसे अन्य मार्गों पर भी निर्माण कार्य कराने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

केक कटवाकर मनाया मदर्स डे

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। रविवार को राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसाइटी आरडब्लूए की पूर्व अध्यक्ष रश्मि चौधरी के आवास पर मदर्स डे मनाया गया। अंशिका चौधरी व अर्जुन चौधरी ने अपनी मां रश्मि चौधरी को बुके देकर और केक कटवाकर मातृ दिवस की शुभकामनाएं दीं। अंशिका चौधरी ने कहा कि मेरी माँ दुनिया की सबसे अच्छी मां है। वो मेरी माँ से ज्यादा मेरी सहेली हैं। मेरी ढाल मेरा रक्षा कवच सब मेरी माँ है। मुझे आत्मसम्मान से जीने की सीख मेरी माँ से मिली है। वहीं अर्जुन ने कहा कि मां मेरी हर छोटी बड़ी जरूरत का ख्याल रखती है। मैं खुश नसीब हूँ जो मुझे ऐसी मां मिली है। बच्चो से इतना प्यार पाकर रश्मि चौधरी बेहद खुश नजर आईं और उन्होंने कहा कि मेरे बच्चे मुझसे बहुत प्यार करते हैं और मेरी हर बात मानते हैं। इस मौके पर पल्लवी, दृष्टि, और लक्ष्य पंवार ने भी उनके घर जाकर आशीर्वाद लिया कउन्होंने कहा कि आंटी ने उन्हें हमेशा बच्चों की तरह ही माना है और मां का प्यार दिया है

रील बनाते हुए गंगनगर में डूबा छात्र

गाजियाबाद : मसूरी क्षेत्रांतर्गत गंगनहर झाल पर दोस्तों के साथ रील बनाते हुए छात्र गंगनहर के पानी में गिर कर डूब गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों से गंगनहर में डूबे छात्र को तलाश कराया, लेकिन छात्र का अभी तक कोई पता नहीं चल सका है, पुलिस ने एनडीआरएफ को सूचना दी।

डासना देहात के मयूरविहार मसूरी निवासी मोहम्मद अहमद का बेटा जुनैद (16) जो महर्षि दयानन्द स्कूल गोविन्दपुरम में कक्षा 10 में पढ़ता है। रविवार को स्कूल की छुट्टी होने से गली के 6-7 साथियों के साथ सुबह 11:30 बजे नाहल स्थित गंगनहर झाल पर पहुंचे, जहां ये गंगनहर झाल के किनारे रील बनाने लगे तभी छात्र जुनैद असंतुलित होकर झाल से गिर रहे तेज बहते हुए पानी में गिर गया और पानी के तेज बहाव में बह गया। साथियों ने शोर मचाया, वहां मौजूद कुछ युवकों ने छात्र को बचाने की कोशिश की मगर नहीं बचा सके और छात्र गहरे पानी में डूब गया। छात्र के साथी घबराकर वहां से भाग गये। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों से गंगनहर में डूबे छात्र को तलाश कराया मगर छात्र का कुछ पता नहीं चल सका। सूचना पाकर छात्र के परिजन भी घटना स्थल पर पहुंच गए। छात्र जुनैद के पिता मोहम्मद अहमद फेरी लगाकर दुकानों पर बटन, धागे, बुकरम आदि सप्लाई करते हैं। इनके तीन बेटों में जुनैद सबसे छोटा है। सहायक पुलिस आयुक्त मसूरी लिपी नगायच ने बताया कि गंगनहर झाल में डूबे छात्र जुनैद पुत्र मौहम्मद अहमद निवासी मयूरविहार डासना देहात थाना मसूरी को गंगनहर में तलाश कराया जा रहा है, एनडीआरएफ को सूचना दी गई है, एनडीआर-एफ टीम के आने पर गंगनहर में सर्च अभियान चलाकर छात्र को तलाश किया जाएगा। छात्र के परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले सौरभ सागर सेवा संस्थान के संजय जैन

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। मुरादनगर में गंग नहर के किनारे पर स्थित सौरभ सागर सेवा संस्थान में स्थित जीवन आशा हॉस्पिटल में कैंसर हॉस्पिटल का उद्घाटन 20 मई को होगा। उद्घाटन का निमंत्रण प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी दिया गया है।

बता दें कि सौरभ सागर महाराज की प्रेरणा से संचालित जीवन आशा हॉस्पिटल का का संचालन पिछले कई वर्षों से मुरादनगर में गंग नहर के किनारे किया जा रहा है।

यहां पर दिव्यांगों का निशुल्क उपचार करने के साथ ही उनके रहने का भी प्रबंध है। इसके साथ ही दो वर्ष से जनरल ओपीडी का शुभारंभ भी कर दिया गया। अब सौरभ सागर महाराज की प्रेरणा से जीवन आशा हॉस्पिटल में 20 मई को कैंसर हॉस्पिटल का भी उद्घाटन किया जायेगा।

कैंसर हॉस्पिटल के उद्घाटन के लिए सौरभ सागर सेवा संस्थान के ट्रस्टी संजय जैन ने शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके निवास पर भेंट की तथा उन्हें निमंत्रण दिया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री से कैंसर हॉस्पिटल का उद्घाटन करने का अनुरोध भी किया गया। इस मौके पर संजय जैन ने मुख्यमंत्री योगी को जीवन आशा हॉस्पिटल की पुस्तक भेंट की जिसे मुख्यमंत्री ने पढ़ा और सौरभ सागर सेवा संस्थान की सराहना की। इस मौके पर संजय जैन के साथ कवियित्री अनामिका जैन अंबर एवं रितेश जैन भी उपस्थित थे।

आवारा कुत्तों से निजात की मांग

भारत का बदलता शासन follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। एनिमल वेल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के कॉन्फ्रेंस हॉल में राष्ट्रीय कोरवा, कोरवा-यूपी और फ्लेट ओनर फेडरेशन गाजियाबाद के संयुक्त प्रतिनिधि मण्डल के साथ एक बैठक आयोजित की गई। ए डब्लू बी आई के जाइंट कमिश्नर एच आर खन्ना एवं साहयक सचिव प्राची जैन इस बैठक में मौजूद रहे। बैठक का नेतृत्व कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने किया। बैठक में ज्ञान सिंह, सौरभ गांधी, रंजू मिनहास, डॉ मधु सिंह, उर्वशी वालिया, राजीव खोसला, डॉ पवन कौशिक, राज कुमार त्यागी, डॉ आर पी शर्मा शामिल रहे। राष्ट्रीय कोरवा, कोरवा-यूपी एवं फ्लेट ओनर फेडरेशन गाजियाबाद ने ए डब्लू बी आई से अर्बन लोकल बॉडीज को एक एड्वाइजरी जारी करने का अनुरोध किया। जिसमें कुत्तो का बंध्यकरण एनजीओ द्वारा न करवाकर स्वयं लोकल बोडीज द्वारा कराया जाने, फीमेल डॉग के स्ट्रेलाइजेशन को प्राथमिकता देने, कुत्तो के लिए फीडिंग पॉइंट निर्धारित करने का अधिकार केवल सोसाइटीज के एसोसिएशन को देने, डॉग्स फीडिंग केवल एसोसिएशन द्वारा की जाये और जो डॉग लवर उन्हे खाना खिलाना चाहते है वो उस खाने को एसोसिएशन को उपलब्ध कराये, गेटिड सोसाइटीज मे स्ट्रीट डाग्स के रहने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाये, जिससे रेरा 2016 और यूपी अपार्टमेंट ऐक्ट 2010 की मूल भावना का उल्लंघन न हो, आदतन काटने वाले कुत्तों को सोसाइटी से स्थायी रूप से हटाकर शेल्टर होम मे रखे जाने की सिफारिश की। ए डब्लू बी आई के जाइंट कमिश्नर एच आर खन्ना एवं साहयक सचिव प्राची जैन ने कहा कि उपरोक्त कुछ बिन्दुओ पर व्यवहारिकता के आधार पर विचार किया जाएगा और यूएलबी को एड्वाइजरी भी जारी की जा सकती है।

बच्चों से परेशान व्यक्ति यूनीपोल पर चढ़ा

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

साहिबाबाद। लिंक रोड थाना क्षेत्र के सूर्यनगर में शनिवार को बच्चों से सम्मान नहीं मिलने और खर्च नहीं मिलने से परेशान एक व्यक्ति ने यूनीपोल पर चढ़ गया। गले में रस्सी का फंदा डालकर आत्महत्या का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने व्यक्ति को सुरक्षित उतारा। इसके बाद उन्हें समझाकर बेटे-बहू को सुपुर्द कर दिया।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार दोपहर करीब पौने एक बजे लिंकरोड थाना क्षेत्र के सूर्यानगर के एक मकान पर लगे यूनीपोल पर एक व्यक्ति के चढ़कर गले में फंदा लगाने की सूचना मिली। सूचना पाकर लिंक रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने उन्हें समझाकर नीचे उतारा। बातचीत में व्यक्ति ने खुद को दिल्ली के नंदनगर का रहने वाला फईमुद्दीन बताया। उन्होंने बताया कि उनके दो बेटे हैं और दोनों की शादी हो चुकी है। न तो दोनों सम्मान करते हैं और न ही खर्चा देते हैं। इससे परेशान होकर शनिवार को उन्होंने आत्महत्या करने का प्रयास किया। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि जब पुलिस ने फईमुद्दीन के परिजनों से बातचीत कर बुलाने की कोशिश की तब काफी देर तक परिवार वाले पहुंचे ही नहीं। इसके बाद पुलिस खुद उन्हें घर तक ले गई और बेटे-बहू के हवाले किया। उनकी काउंसलिंग की गई है।

पत्नी के झगड़े के बाद इंदिरापुरम में हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक

इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के कनावनी में झगड़े के बाद एक युवक हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाकर कड़ी मशक्कत के बाद उसे नीचे उतारा। उसका शांति भंग में चालान किया गया। जानकारी के मुताबिक, कनावनी गांव में कुलदीप पत्नी रेनू और बेटा व बेटी के साथ रहते हैं। कुलदीप शराब पीने का आदी है। शराब पीने से पत्नी ने रात को रोक दिया तो इसपर दोनों में कहासुनी हो गई। दोपहर करीब एक बजे वह घर से निकला और डेढ़ बजे कनावनी गांव में आंबेडकर मूर्ति के पास एचटी लाइन के टावर पर चढ़ गया। आसपास के लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। वह वीडियो बनाने लगे। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची कुलदीप को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। काफी प्रयास के बाद हरसंभव मदद का आश्वासन दिया गया। तब वह उतरने को तैयार हुआ।

गाँजा तस्कर गुल्लू साथियों सहित गिरफ्तार

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। नगर कोतवाली पुलिस टीम व स्वाट टीम नगर जोन ने गांजा तस्करी करने वाले 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

अभियुक्तों के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त कार व कई किलो गाँजा बरामद हुआ है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को थाना कोतवाली नगर कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस व स्वाट टीम नगर जोन द्वारा चेकिंग के दौरान विकास कुमार उर्फ गुल्लु पुत्र महिपाल सिंह,निवासी म0न0 262 ग्राम भैसापुर थाना बीबीनगर जिला बुलंदशहर, फारुख मलिक पुत्र समसुद्दीन, निवासी सिरोरा थाना अनुपशहर जिला बुलंदशहर, इरफान पुत्र मम्माजान, निवासी मौहल्ला गढ़ी निकट सराय तरीन चौराहा थाना हयातनगर जिला सम्भल तथा जितेन्द्र कुमार उर्फ बोबी पुत्र त्रिलोक चन्द्र शर्मा, निवासी सै0 07 म0न0 36303 ब्रह्मपुत्र एन्कलेव सिद्धार्थ विहार थाना विजयनगर को रैपिड मैट्रो लाईन के नीचे विजय नगर कट से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से कार की डिग्गी में रखा 20 किलो गाँजा बरामद हुआ है। अभियुक्तों ने बताया कि हम लोग मिलकर उड़ीसा से सस्ते दामों में गाँजा लाकर उनकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर महंगे दामों में बेचकर मुनाफा कमाते हैं।

गद्दा शोरूम में धधकी आग

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद : मोहन नगर के लोनी मार्ग स्थित औद्योगिक क्षेत्र साइट दो में संचालित गद्दा शोरूम कमलेश इंटरप्राइजेज में रविवार शाम करीब छह बजे आग धधक गई। हादसे में शोरूम के अंदर रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया। वहीं मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही की हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और आसपास के प्रतिष्ठानों में फैलने से पहले ही आग को बुझा लिया गया। सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि रविवार का दिन होने की वजह से शोरूम बंद था। शुरूआती जांच में आग शॉर्ट-सर्किट होने की वजह से लगने की बात सामने आई है। सोमवार को टीम भेजकर मामले की जांच कराई जाएगी।

राष्ट्रीय लोकदल का सदस्यता अभियान

कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि- चौ. नीरपाल

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद : राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ का सदस्यता अभियान शुरू हुआ। इस दौरान कुछ साथियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर सदस्यता अभियान का शुभारंभ करने पहुंचे राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री चौ नीरपाल सिंह ने कहा कि पार्टी द्वारा पूरे देश में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है इसमें ज्यादा से ज्यादा युवाओं को सदस्य बनाओ।पार्टी को मजबूत करो। हम सबके नेता केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के दिशा निर्देशन में पार्टी मजबूत हो रही है। इस दौरान खेल प्रकोष्ठ गाजियाबाद के नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष संजीव अरोड़ा का जोरदार स्वागत किया गया तथा उन्हें सदस्यता अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक तोमर, राष्ट्रीय महासचिव विजय कौशिक, पार्टी प्रदेश महासचिव रविंद्र चौहान, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह टीटू, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौ तेजपाल सिंह, पार्टी की महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी, प्रदेश सचिव ओ.डी. त्यागी, भूपेंद्र डबास, दिनेश शर्मा चिंटू,किशन सिंह राघव, प्रदीप त्यागी, ने भी सदस्यता अभियान में हिस्सा लिया और पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया।

पार्टी की सेवा मेरा धर्म- संजीव अरोड़ा

आधार कार्ड शिविर व आंखों की मुफ्त जांच कैंप का आयोजन

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद : रविवार को कम्युनिटी सेंटर राजनगर पर राज नगर आरडब्लूए, गाजियाबाद द्वारा राष्ट्रीय व्यापार मंडल व राष्ट्रीय डाक विभाग के सहयोग से आधार कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप में 18 वर्ष तक की आयु के नागरिकों के नए आधार कार्ड बनाए गए तथा प्रत्येक आयु वर्ग के नागरिकों के पुराने आधार कार्ड में सुधार किया गया ।आधार कार्ड कैंप में श्रेया आई सेंटर, इंदिरापुरम की तरफ से आंखों की मुफ्त जांच की भी व्यवस्था की गई। कैंप का उद्घाटन पार्षद प्रवीण चौधरी ने किया। कैंप में राज नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए डी के गोयल ने अपने साथियों महामंत्री अमरीश त्यागी,कोषाध्यक्ष, प्रभाकर त्यागी, उपाध्यक्ष Dr. SS puri, संजीव गुप्ता, मीडिया प्रभारी सुनील दत्त, सिमरन रंधावा, देवेंद्र हितकारी (अध्यक्ष प्रशासनिक समन्वय समिति आरडब्लूए) व पूर्व अध्यक्ष दीपक कांत गुप्ता के सहयोग से कैंप की व्यवस्थाओं का संचालन किया तथा आर आर डब्लू ए की तरफ से सभी का स्वागत किया गया। कैंप में पंडित अशोक भारतीय, प्रदीप चौधरी, आशु पंडित आदि ने अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर सभी से आधार कार्ड शिविर में पहुंच कर ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील की ।आधार कार्ड शिविर में सैकड़ो लोगों ने नए आधार कार्ड के साथ-साथ पुराने आधार कार्ड में संशोधन करवाया तथा आंखों के शिविर का भी लाभ उठाकर राज नगर आर०डब्लू ०ए० के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के संयोजक,सौरभ गर्ग, ओ पी भोला व श्रीमती उर्मिला भूषण ने भी आधार कार्ड बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।इस अवसर पर संस्था के संयुक्त सचिव पंकज भारद्वाज, जगमोहन त्यागी,राकेश चावला, वीरेंद्र सारस्वत व प्रदीप चौधरी की भी उपस्थिति रही।

मोबाइल फोन व नकदी बरामद, जुआरी गिरफ्तार

भारत का बदलता शासन

कैराना। कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान सार्वजनिक स्थान पर सट्टा लगाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से मोबाइल फोन व नकदी बरामद हुई है। पकड़े गए आरोपी का पुलिस ने चालान कर दिया है। रविवार को एसपी शामली रामसेवक गौतम के निदेर्शानुसार आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को सट्टा लगाते हुए गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से मोबाइल फोन व 525 रुपये की नकदी बरामद हुई है। पकड़े गए आरोपी ने पुलिस पूछताछ में अपना नाम व पता मोनू कुमार निवासी मोहल्ला दरबारखुर्द कस्बा व थाना कैराना बताया। पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा-13जी के तहत अभियोग दर्ज करके उसका चालान कर दिया है।

अवैध तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद, आरोपी गिरफ्तार

भारत का बदलता शासन

कैराना। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 12 बोर का तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी का चालान कर दिया है।

रविवार को एसपी शामली रामसेवक गौतम के निदेर्शानुसार आपराधिक घटनाओं में लिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 12 बोर का तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम व पता जनाब निवासी ग्राम रामड़ा बताया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध सम्बंधित धारा में अभियोग पंजीकृत करके उसका चालान कर दिया है।

आतंकवाद कुत्ते की पूछ, आतंकी जिस भाषा में समझेंगे उन्हें उसी भाषा में जवाब देंगे: सीएम योगी

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर पाकिस्तान और उसके द्वारा संरक्षित आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है जो कभी सीधी होने वाली नहीं, जो प्यार की भाषा मानने वाली नहीं। उसको उसी की भाषा में जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। इस दिशा में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है। अब समय आ गया है जब आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सबको एक स्वर से प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअली उपस्थित रहे और उन्होंने व सीएम योगी ने एक साथ बटन दबाकर ब्रह्मोस यूनिट का शुभारंभ किया। इस दौरान रक्षा उत्पादन से जुड़ी पुस्तक 'ब्रह्मांड'का भी विमोचन किया गया। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारत की तीनों रक्षा सेनाओं के बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल क्या है, इसके पराक्रम को आपने ऑपरेशन सिंदूर में देखा होगा और नहीं

देखा तो कम से कम पाकिस्तान वालों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है। आतंकवाद के प्रति प्रधानमंत्री जी ने घोषणा की है कि कोई भी आतंकी घटना अब युद्ध जैसी होगी और याद रखना आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा भी नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्वावलंबी देश के लिए आवश्यक है कि अपनी रक्षा आपूर्ति के लिए वह दुनिया के अन्य देशों पर निर्भर होने की बजाय स्वयं उस लक्ष्य को प्राप्त करे। इजराइल इसका उदाहरण है, जिसने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। उसने अपने अगल-बगल के दुश्मन देशों को नाकों चने चबाने के लिए मजबूर किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2014 में भारत के सामने जो लक्ष्य रखा, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर और ब्रह्मोस मिसाइल उसी अभियान का हिस्सा है। वीडीएल झांसी में आ रहा है। उसका काम बहुत तेजी से आगे बढ़ चुका है। विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ा है वह उसे प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि 2018 में प्रधानमंत्री मोदी जी ने केंद्रीय बजट में दो डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की थी, लेकिन यह कहां बनेगी इसकी घोषणा प्रधानमंत्री जी ने इसी लखनऊ में की थी। उत्तर प्रदेश में इसके लिए 6 नोड तय किए गए। इनमें राजधानी लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए चुना गया। 2019 में केंद्र में जब पुनः सरकार बनी तब रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह जी ने 2020 में पहली बार लखनऊ में डिफेंस एक्सपो का आयोजन किया। तब उन्होंने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल की प्रोडक्शन यूनिट लगाने की घोषणा की थी।

अब शहरों में अवैध पार्किंग चलाने पर लगेगा भारी जुर्माना

लखनऊ : नगर निकाय के अधिकारियों से गठजोड़ करके शहरों में अब मनमाने तरीके से अवैध पार्किंग का धंधा नहीं चल पाएगा। पार्किंग के लिए जारी नई नियमावली में अवैध पार्किंग के धंधे पर तगड़ा जुमार्ना लगाने की व्यवस्था की गई है। निकाय सीमा क्षेत्र में अवैध रूप से पार्किंग ठेका चलाने वालों को अब न्यूनतम 5000 रुपये तक का जुमार्ना भरना होगा।

बता दें कि प्रदेश सरकार से मंजूरी मिलने के बाद नगर विकास विभाग ने शहरी क्षेत्रों में वाहनों की पार्किंग के लिए नई नियमावली जारी की है। पहले इस नियमावली को लागू किया गया है। इसमें जहां लोगों को बेहतर पार्किंग की सुविधा देने की व्यवस्था है, वहीं अवैध पार्किंग का धंधा करने वालों पर शिकंजा कसने के लिए कई प्रावधान भी किए गए हैं। उप्र नगर निगम अधिनियम में दी गई व्यवस्था के आधार पर 5000 रुपये न्यूनतम जुमार्ना लगाने का प्रावधान किया गया है।

अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई के लिए नगर आयुक्त को अधिकृत किया गया है। यह भी देखा जाएगा कि अवैध पार्किंग उस जगह पर कितने दिनों से चल रही है। उसको अवैध पार्किंग से कितनी कमाई हुई होगी, इस आधार पर जुमार्ना वसूला जाएगा। जरूरत पड़ी तो अवैध पार्किंग चलाने वाले के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज कराई जाएगी।

इसके साथ ही लाइसेंस लेकर पार्किंग चलाने वाला यदि नियमों का उल्लंघन करता है और उसका भी लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। नगर आयुक्त की अध्यक्षता में बनी समिति का यह काम होगा कि एक टीम बनाकर शहर में बने पार्किंग स्थलों का भ्रमण कराए। इस दौरान आम लोगों से फीड बैक भी लिया जाएगा।

सिक्ख समाज द्वारा सेना के आपरेशन सिन्दूर को समर्थन

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाज़ियाबाद : भारत माता सांस्कृतिक न्यास द्वारा आयोजित तिरंगा शौर्य यात्रा एवं भारत माता की महाआरती में आज सिक्ख समाज द्वारा आपरेशन सिन्दूर को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामन्त्री राजनाथ सिंह व देश की सेना का समर्थन करते हुए यात्रा के मुख्य अतिथि धर्मपाल सिंह व कार्यक्रम प्रमुख मयंक गोयल को इस आशय से अवगत भी कराया। इस अवसर पर महानगर के समन्वयक सरदार एस पी सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं भारतीय सेना ने पाकिस्तान को उसकी नापाक हरकत के लिए आपरेशन सिन्दूर द्वारा जो सबक दिया है, पूरा देश व सिक्ख समाज उन पर गर्व करता है और उनका अभिनंदन करता है। सीजफायर का उल्लंघन करने पर पुनः पाकिस्तान को करारा सबक सिखाया जाए। इस अवसर पर जसविन्दर सिंह सनी, रविन्दर सिंह जौली, जगमोहन सिंह सलूजा, मनजीत सिंह सेठी, हरप्रीत सिंह जग्गी, गगन सिंह अरोड़ा, इन्द्रजीत सिंह टीटू, एस एस आनन्द, डाक्टर एस एस पुरी, जसपाल सिंह, दलजीत सिंह टिम्मी, अजीत सिंह नन्दा, मनजीत सिंह साहिबाबाद, रविंद्र सिंह सग्गू, अजीत सिंह, कंवलजीत सिंह सिक्का, हरजोत सिंह, जसबीर सिंह, सुखविंदर सिंह, जगपाल सिंह, मोहन पाल सिंह, इकबाल सिंह सोढ़ी, मुखविन्दर सिंह, सिमरन रंधावा, लवली कौर, शिवप्रीत सिंह, हरजोत सिंह आदि उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास से मनाया गया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

कैराना। भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का जन्मोत्सव हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ में मनाया गया। इस अवसर पर कस्बे के प्राचीन सिद्धपीठ बाबा बनखंडी महादेव मंदिर में हवन पूजन, विचार गोष्ठी व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रबुद्ध लोगों को भगवान परशुराम की तस्वीर भेंट करके सम्मानित किया गया।

रविवार को कस्बे के प्राचीन सिद्धपीठ बाबा बनखंडी महादेव मंदिर परिसर में स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में परशुराम दल कैराना की ओर से भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता पंडित स्वराज शर्मा ने की। इससे पूर्व, आचार्य विनोद पंडित के द्वारा मंत्रोच्चार करके हवन-यज्ञ सम्पन्न कराया गया, जिसमें विश्व शांति एवं समस्त जीव प्राणियों के कल्याण की कामना करते हुए पूर्ण आहुति दी गई। कार्यक्रम में परशुराम सामाजिक संस्था के अध्यक्ष विनोद शर्मा सहारनपुर मुख्यातिथि व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा मुजफ्फरनगर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए।

इस दौरान विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के लोगों द्वारा समाज व राष्ट्रहित में दिए गए अपने सकारात्मक योगदान को

उपस्थित जनसमूह के साथ मे साझा किया गया। कार्यक्रम में कस्बे के खन्द्रावली मार्ग पर स्थित हिमालय मॉडल स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती अलका तिवारी समेत अनेकों विभूतियों को प्रतीक चिन्ह के रूप में भगवान परशुराम की तस्वीर प्रदान करके सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें पहुंचे लोगो ने प्रसाद ग्रहण करके धर्म लाभ उठाया। इस अवसर पर अश्वनी शर्मा, अंशुल शर्मा, अंकुर भारद्वाज, सुशील शर्मा, मनोज शर्मा, अभिषेक भारद्वाज, मनीष भारद्वाज, शोभित भारद्वाज, राहुल शर्मा आदि मौजूद रहे।

तीतरवाड़ा में जानलेवा हमले का एक और आरोपी दबोचा

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

कैराना। गांव तीतरवाड़ा में घर में घुसकर युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में वांछित चल रहे एक और आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 12 बोर का तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद हुआ है।

विगत गुरुवार को गांव तीतरवाड़ा में कुछ लोगो ने घर में घुसकर अवैध हथियारों से एक युवक पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी थी, जिसमें युवक पैर में गोली लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गया था। घायल युवक की माँ सजीला ने चार आरोपियों के खिलाफ कोतवाली कैराना पर घटना का नामजद मुकदमा दर्ज कराया था। रविवार को एसपी शामली रामसेवक गौतम के निदेर्शानुसार वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी

हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने फायरिंग की घटना में नामजद कराए गए आरोपी अब्दुल वाहिद निवासी ग्राम तीतरवाड़ा को गिरफ्तार कर लिया, जिसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 12 बोर का तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी का चालान कर दिया है। पुलिस ने इससे पूर्व विगत शनिवार को घटना के नामजद आरोपी नौमान उर्फ सरवेज निवासी ग्राम तीतरवाड़ा को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। वहीं, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह का कहना है कि शेष आरोपियों को भी गिरफ्तार करके शीघ्र जेल भेजा जाएगा।

बलवा व कलेक्ट्रेट चौराहे पर फ्लाईओवर बनाए जाने की मांग

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

कैराना। कैराना लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की सांसद चौधरी इकरा हसन ने बलवा व कलेक्ट्रेट चौराहे पर फ्लाईओवर बनाए जाने की मांग की है। उन्होंने इन दोनों जगहों पर हो रही दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है।

कैराना से सपा सांसद चौधरी इकरा हसन ने केंद्रीय सड़क

परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है। बताया कि पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय मार्ग-709एड़ी के कलेक्ट्रेट चौराहे व दिल्ली-यमनोत्री मार्ग-709बी के शामली बाईपास पर स्थित बलवा चौराहे पर जाम व दुर्घटनाओं की समस्या बनी हुई है। यह क्षेत्रवासियों एवं अन्य राहगीरों के लिए गम्भीर चुनौती है। पत्र में बताया कि विगत दिनों उनके द्वारा संसद में पूछे गए सवाल के प्रतिउत्तर में परिवहन मंत्रालय ने बताया था कि नौ ऐसे स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां बार-बार दुर्घटनाएं हो रही है। इन स्थानों पर हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विभाग द्वारा योजनाएं तैयार की जा रही है। पत्र में बताया कि उपरोक्त दोनों चौराहे भी ऐसी ही संवेदनशील जगहों में शामिल है। इन स्थानों पर फ्लाईओवर के निर्माण से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी तथा राहगीरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। सांसद ने जनहित के मद्देनजर पत्र में की गई मांगों को शीघ्र स्वीकार करके सकारात्मक कदम उठाए जाने की अपेक्षा व्यक्त की है।

बिजली महंगी होने को लेकर जून में हो सकता है फैसला

भारत का बदलता शासन

लखनऊ : प्रदेश में बिजली दर निर्धारण के लिए जून माह में सुनवाई होगी। नियामक आयोग ने पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से सभी बिजली कंपनियों के लिए दाखिल वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) को स्वीकार कर लिया है। खास बात यह है कि इस बार बिजली दर को लेकर कंपनियों ने कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। दर बढ़ाने अथवा घटाने का फैसला पूरी तरह से नियामक आयोग पर छोड़ा है।

विद्युत नियामक आयोग ने पूर्वांचल, दक्षिणांचल, मध्यांचल, पश्चिमांचल, केस्को व नोएडा पावर कंपनी के वर्ष 2025-26 के लिए एआरआर सहित ट्रू-अप 2023-24 व वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा वर्ष 2024 -25 को स्वीकार कर लिया है। विद्युत नियामक आयोग ने अपने आदेश में लिखा है कि मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2025 के तहत बिजली कंपनियों की तरफ से कोई भी बिजली दर का प्रस्ताव नहीं दाखिल किया गया है। कंपनियों की ओर से सभी डाटा तीन दिन के अंदर सार्वजनिक करने होंगे। उपभोक्ताओं को 21 दिन में अपनी आपत्ति व सुझाव देने होंगे। आयोग जून 2025 से आम जनता के बीच सुनवाई शुरू करेगा। पूर्वांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल, केस्को की कुल वार्षिक राजस्व आवश्यकता लगभग एक लाख 13923 करोड़ है। सभी बिजली कंपनियां करीब 133779 मिलियन यूनिट बिजली बेचेंगी। बिजली कंपनियों द्वारा वार्षिक राजस्व आवश्यकता में मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन के तहत लाइन हानियां व एटीएंडसी हानियां का कोई भी आंकड़ा अभी तक फाइल नहीं किया गया है।

बड़ा हादसा टला: बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का टैंक लीक, गाजियाबाद से अलीगढ़ तक रिसता रहा डीजल

भारत का बदलता शासन

अलीगढ़ : 11 मई को नई दिल्ली से चलकर दरभंगा जा रही बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के टैंक में गाजियाबाद के पूर्वी यार्ड के पास ट्रैक पर पड़ी ड्रिल मशीन फंस गई, इससे टैंक में सुराख हो गया और डीजल बहने लगा। ट्रेन जब दोपहर 2.46 बजे अलीगढ़ पहुंची तो चेकिंग के दौरान पता चला कि टैंक से तेजी के साथ डीजल निकल रहा है। पहले तो सुराख को बंद करने की कोशिश की गई, लेकिन जब कामयाबी नहीं मिली तो पूरा टैंक खाली कराया गया।

नई दिल्ली से दरभंगा जा रही बिहार संपर्क क्रांति (12566) दोपहर 02:46 बजे अलीगढ़ स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या तीन

पर पहुंची थी। यहां ट्रेन का ठहराव केवल दो मिनट का है। इस बीच चेकिंग स्टाफ ट्रेन के इंजन और बगल में लगे टैंक को चेक करने लगा। यहां देखा तो पावर कार डीजल टैंक में एक ड्रिल मशीन फंसी थी और सुराख होने से डीजल निकल रहा था। चेकिंग स्टाफ ने तत्काल ड्रिल मशीन को निकाला और इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। निर्देश हुए कि टैंक को तत्काल खाली कर लिया जाए। यहां टैंक में बचे 1050 लीटर डीजल निकाला गया। जबकि इसमें करीब ढाई हजार लीटर डीजल था। इस पूरी कसरत में दो घंटे 20 मिनट का समय लगा। डीजल टैंक खाली करने के बाद शाम पांच बजे ट्रेन को रवाना किया गया। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि मामले में जांच कराई गई है। जीआरपी और आरपीएफ की जांच में पता चला कि गाजियाबाद स्टेशन के पास पूर्वी यार्ड में मरम्मत कार्य चल रहा है। यहां काम कर रही कंपनी के कर्मचारियों ने लापरवाही से ड्रिल मशीन को ट्रैक पर छोड़ दिया था, जो उछलकर टैंक में फंस गई। इससे टैंक में सुराख हो गया। सीसीटीवी फुटेज की जांच में भी यह साबित हो गया है।

तिरुपति बालाजी मंत्र अत्यंत प्रभावशाली है

तिरुपति बालाजी का दिव्य-भव्य मंदिर आज भी दक्षिण भारतीय वास्तुकला और शिल्प का सर्वोत्तम उदाहरण है। भगवान तिरुपति बालाजी भगवान विष्णु का ही दूसरा रूप है। तिरुपति बालाजी मंत्र से भगवान बालाजी को प्रसन्न किया जाता है, उनके प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट की जाती है। तिरुपति बालाजी मंत्र अत्यंत प्रभावशाली है.।

भगवान तिरुपति बालाजी मंत्र-
ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नम:.
श्रीमन नारायण नमो नम:.
तिरुमल तिरुपति नमो नम:.
जय बालाजी नमो नम:
ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नम:.
श्रीमन नारायण नमो नम:.
तिरुमल तिरुपति नमो नम:.
जय बालाजी नमो नम:.

- यह मंत्र एक शुद्ध ध्वनि कंपन है जो मन को मोह माया और भ्रम से बचाता है।
- इस जप मंत्र को निरंतर दोहराने की प्रक्रिया करने से यह जप मंत्र प्राण में ऊर्जा भर देता है।
- जब इस मंत्र का उच्चारण किया जाता है तो मन शांत होकर ध्यान मुद्रा में चला जाता है।
- उच्चारण के बिना मंत्रों की शक्ति कम हो जाती है और कामना पूर्ति या लक्ष्य प्राप्ति में उनका प्रभाव नहीं होता है।
- इस मंत्र को पढ़ने से खुशी मिलती है। ये मन की भावनाओं को पवित्र कर शरीर में ऊर्जा का प्रवाह करता है।
- यह मंत्र भय की भावनाओं को कम करता है। रचनात्मक प्रक्रिया को बढ़ाता है।
- शारीरिक दर्द और अवसाद को मन से दूर भगाता है।
- मन को शांत कर अच्छी नींद लाने में मदद करता है।
- इस मंत्र को हर रोज सुनने से आध्यात्मिक समृद्धि का अनुभव होता है।

करणी माता मंदिर, जहां होती है चूहों की पूजा

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार हिन्दू धर्म में 33 करोड़ देवी-देवता माने गए है, जिनका पूजन भक्तों द्वारा अपने अपने ढंग से किया जाता है। हिन्दू धर्म में हवा, पृथ्वी, जल, पशु-पक्षी आदि को भी भगवान के रूप में पूजा जाता है तथा इनके मंदिरों के बारे में भी आपने कई बार सुना होगा। एक ऐसा ही मंदिर है - बीकानेर राजस्थान में, जो इन दिनों काफी चर्चा में है। ये है देशनोक का करणी माता मंदिर, जो दुनियाभर में 'चूहों के एकमात्र मंदिर' के नाम से भी प्रसिद्द है।

यह मंदिर उन 20 हजार काले और कुछ सफेद चूहों के लिए प्रसिद्ध है, जो इसी मंदिर में रहते है और पूजनीय है। यहां चूहों को पवित्र माना जाता है और इन्हें ''कब्बा'' कहा जाता है। बहुत से लोग दूर-दूर से इस मंदिर में चूहों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और अपनी इच्छाओं को वास्तविकता के रूप में प्राप्त करने के लिए आते हैं। इसे 19वी शताब्दी में महाराजा गंगा सिंह द्वारा बनवाया गया था। मुगल शैली में डिजाइन किए गए इस मंदिर को बनाने में संगमरमर के पत्थरों का उपयोग किया गया है।

इस मंदिर का मुख्य द्वार ठोस चांदी से बना हुआ है। मंदिर के भीतर भी अन्य कई चांदी के दरवाजे स्थित है, जिनपर इस मंदिर के इतिहास से जुड़ी कलाकृतियां अंकित है। देवी का मंदिर आतंरिक गर्भगृह में है। साल 1999 में हैदराबाद के जौहरी कुन्दलाल वर्मा के सहयोग से इस मंदिर को और अधिक सजाया गया तथा संगमरमर की नक्काशी और चांदी के चूहे भी उनके द्वारा मंदिर को दान किए गए।

क्या है मंदिर की रोचक कहानी?

स्थानीय लोककथाओं के अनुसार , एक बार 20 हजार सैनिकों की फौज किसी युद्ध से पीठ दिखाकर देशनोक गांव भाग आई। जब करणी माता को इस बात का पता चला कि ये सैनिक युद्ध में पीठ दिखाकर यहां आए हैं, तो माता ने उन सभी सैनिकों को दण्डस्वरुप चूहों में बदल दिया। सैनिकों ने भी बदले में कृतज्ञता व्यक्त की और देवी से हमेशा उनकी सेवा करने का वादा किया। आपको सभी चूहों में से कुछ सफेद चूहे भी मिल सकते हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे स्वयं करणी माता और उनके चार पुत्र हैं।

एक अन्य किंवदंती कहती है कि एक बार करणी माता का सौतेला पुत्र लक्ष्मण पानी पीने के दौरान कोलायत तहसील के कपिल सरोवर नामक तालाब में डूब गए थे। माता ने मृत्यु के देवता यम से उन्हें जीवनदान देने के लिए प्रार्थना की, जिसे यम ने पहले मना कर दिया और बाद में लक्ष्मण और माता के सभी नर बच्चों को चूहों के रूप में पुनर्जन्म की अनुमति दी। मंदिर का निर्माण 20 वीं शताब्दी की शुरुआत में पूरा हुआ था। यह मंदिर इसकी पौराणिक और लोककथाओं के लिए बहुत प्रसिद्ध है। मंदिर को उच्च आस्था का स्थान भी माना जाता है जहां लोग देवी का आशीर्वाद लेने आते हैं। यह भी माना जाता है कि अगर किसी चूहे को मार दिया जाए तो उसे चांदी के चूहे से बदल दिया जाना चाहिए।

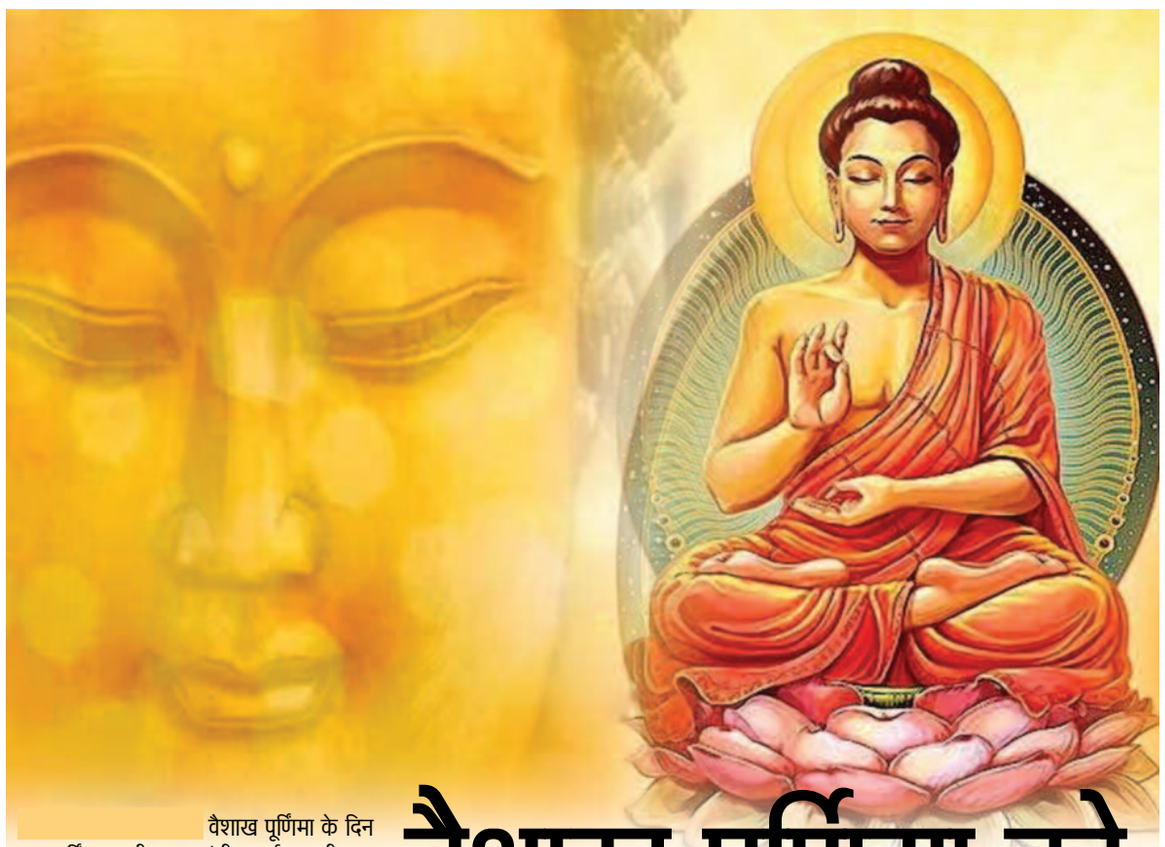

वैशाख पूर्णिमा को जन्मे थे महात्मा बुद्ध

वैशाख पूर्णिमा के दिन बुद्ध पूर्णिमा यानी बुद्ध जयंती मनाई जाएगी। गौतम बुद्ध ने ही बौद्ध धर्म की स्थापना की थी। वाराणसी के 10 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित सारनाथ में गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया। यहीं से उन्होंने धर्मचक्र प्रवर्तन प्रारंभ किया था। जानते हैं बौद्ध धर्म की खास बातें।

- ईसाई और इस्लाम धर्म से पूर्व बौद्ध धर्म की उत्पत्ति हुई थी। उक्त दोनों धर्म के बाद यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा धर्म है।
- इस धर्म को मानने वाले ज्यादातर चीन, जापान, कोरिया, थाईलैंड, कंबोडिया, श्रीलंका, नेपाल, भूटान और भारत आदि देशों में रहते हैं।
- पूर्व में यह धर्म यूनान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अरब के कई हिस्सों में फैला, किंतु ईसाई और इस्लाम के प्रभाव के चलते इस धर्म को मानने वाले लोग उक्त इलाकों में अब नहीं के बराबर ही है।
- इस धर्म के मुख्यत: दो संप्रदाय है हिनयान और महायान। हिनयान यानी छोटी गाड़ी या यान और महायान यानी बड़ी गाड़ी। हिनयान को ही थेरवाद भी कहते हैं। महायान के अंतर्गत बौद्ध धर्म की एक तीसरी शाखा थी वज्रयान। झेन, ताओ, शिंतो आदि अनेकों बौद्ध सम्प्रदाय भी उक्त दो सम्प्रदाय के अंतर्गत ही माने जाते हैं।
- बौद्ध धर्म के चार तीर्थ स्थल हैं- लुंबिनी, बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर। लुम्बिनी तीर्थ नेपाल में है। बोधगया भारत के बिहार में है। सारनाथ भारत के उत्तरप्रदेश में काशी के पास हैं। कुशीनगर उत्तरप्रदेश के गोरखपुर के पास का एक जिला है।
- बौद्ध धर्म के धर्मग्रंथ को त्रिपिटक कहा जाता है। अर्थात तीन पिटक- विनय पिटक, सुत्त पिटक और अभिधम्म पिटक। त्रिपिटक सुत्तपिटक के खुद्दक निकाय के एक अंश धम्मपद को पढ़ने का ज्यादा प्रचलन है। बुद्ध ने अपने उपदेश पालि भाषा में दिए, जो त्रिपिटकों में संकलित हैं।
- गौतम बुद्ध के पिछले जन्म पर आधारित जातक कथाएं इस धर्म का शिक्षाप्रद ग्रंथ है। बौद्ध जातक कथाएं विश्व प्रसिद्ध हैं। जिनके आधार पर ही ईसप की कथाएं निर्मित हुई।
- बौद्ध धर्म के मूल तत्व है- चार आर्य सत्य, आष्टांगिक मार्ग, प्रतीत्यसमुत्पाद, अव्याकृत प्रश्नों पर बुद्ध का मौन, बुद्ध कथाएँ, अनात्मवाद और निर्वाण।
- वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन बुद्ध का जन्म हुआ था और इसी दिन उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ था तथा इसी दिन उन्होंने देह छोड़ दी थी अर्थात निर्वाण प्राप्त किया था इसलिए उक्त पूर्णिमा के दिन बुद्ध जयंती और निर्वाण दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा आषाढ़ की पूर्णिमा का दिन भी बौद्धों का प्रमुख त्योहार होता है। वैशाख माह की पूर्णिमा के दिन बुद्ध का जन्म नेपाल के लुम्बिनी में ईसा पूर्व 563 को हुआ। इसी दिन 528 ईसा पूर्व उन्होंने भारत के बोधगया में सत्य को जाना और इसी दिन वे 483 ईसा पूर्व को 80 वर्ष की उम्र में भारत के कुशीनगर में निर्वाण (मृत्यु) को उपलब्ध हुए।
- दो शब्दों में बौद्ध धर्म को व्यक्त किया जा सकता है- अभ्यास और जागृति। बौद्ध धर्म नास्तिकों का धर्म है। कर्म ही जीवन में सुख और दु:ख लाता है। सभी कर्म चक्रों से मुक्त हो जाना ही मोक्ष है। कर्म से मुक्त होने या ज्ञान प्राप्ति हेतु मध्यम मार्ग अपनाते हुए व्यक्ति को चार आर्य सत्य को समझते हुए अष्टांग मार्ग का अभ्यास कहना चाहिए यही मोक्ष प्राप्ति का साधन है।
- धम्मचक्र के आठ पहिए तथागत बुद्ध के बताए हुए अष्टांगिक मार्ग को दर्शाते हैं। बाद के अनुयायियों ने 24 आवश्यक गुण निर्धारित किए जैसे धैर्य, श्रद्धा, आत्म नियंत्रण आदि, इन्हें भी बाद के धर्मचक्र में 24 आरियों के रूप में प्रतीक रूप दर्शाया जाने लगा। अशोक के प्रस्तर लेखों में भी धर्मचक्र है और अशोक स्तम्भ में यह चक्र 24 आरियों का है। इसे ही भारत के राष्ट्रीय ध्वज में अपनाया गया है।

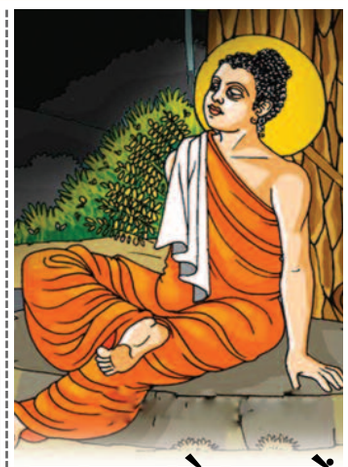

हर तरह के खतरों से सुरक्षित रखता है बौद्ध धर्म का चमत्कारी मंत्र

बौद्ध धर्म का एक विशेष मंत्र है, जो षडाक्षरीय मंत्र के नाम से प्रचलित हैं। यह चमत्कारी मंत्र सभी प्रकार के खतरों से सुरक्षा के लिए जपा जाता है। यह एक ऐसा चमत्कारिक मंत्र हैं, जो मनुष्य को जीवन में आने वाले हर परेशानी में सुरक्षित रखता है तथा संकट से पार लगा देता है। इस षडाक्षरीय मंत्र का उल्लेख अवलोकितेश्वरा में किया गया है।

बौद्ध धर्म का बीज मंत्र - 'ओम मणि पदमे हूम'

- इस मंत्र का जप बौद्ध धर्म की महायान शाखा में प्रमुख रूप से किया जाता है।
- यह मंत्र अक्सर प्रार्थना चक्र, स्तूपों की दीवार, धर्म स्थानों के पत्थरों, मणियों आदि में खुदा हुआ या चित्रित रूप में मिल जाता है।
- जिस प्रार्थना चक्र पर यह मंत्र खुदा होता है उसको 1 बार घुमाने पर माना जाता है कि उसने इस मंत्र को 10 लाख बार जपा है।
- यह मंत्र अंगूठी या अन्य आभूषणों में भी मुद्रित रहता है।
- बताया जाता है कि जो कोई इस मंत्र को जपता है, वह सब खतरों से सुरक्षित हो जाता है।

महात्मा बुद्ध से जुड़ी बड़ी जानकारियां

भगवान बुद्ध का जन्म वैशाख माह की पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस बार अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 12 मई 2025 को गौतम बुद्ध की जयंती मनाई जाएगी।

गौतम बुद्ध का जन्म स्थान : गौतम बुद्ध का जन्म ईसा से 563 साल पहले नेपाल के तराई क्षेत्र में कपिलवस्तु और देवदह के बीच नौतनवा स्टेशन से 8 मील दूर पश्चिम में रुक्मिनदेई नामक स्थान है, जहां एक लुम्बिनी नाम का वन था। वहां उनका जन्म हुआ था। दरअसल, कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी अपने नैहर देवदह जा रही थीं, तो रास्ते में लुम्बिनी वन में ही उन्होंने बुद्ध को जन्म दिया। गौतम बुद्ध का जन्म नाम सिद्धार्थ था। उनके पिता का नाम शुद्धोदन था। सिद्धार्थ के पिता शुद्धोदन कपिलवस्तु के राजा थे और उनका सम्मान नेपाल ही नहीं समूचे भारत में था। सिद्धार्थ ने गुरु विश्वामित्र के पास वेद और उपनिषद् तो पढ़े ही, राजकाज और युद्ध-विद्या की भी शिक्षा ली। कुश्ती, घुड़दौड़, तीर-कमान, रथ हांकने में कोई उसकी बराबरी नहीं कर पाता था।

पत्नि यशोधरा और पुत्र राहुल : गौतम बुद्ध शाक्यवंशी छत्रिय थे। शाक्य वंश में जन्मे सिद्धार्थ का सोलह वर्ष की उम्र में दंडपाणि शाक्य की कन्या यशोधरा के साथ विवाह हुआ। यशोधरा से उनको एक पुत्र मिला जिसका नाम राहुल रखा गया। बाद में यशोधरा और राहुल दोनों बुद्ध के भिक्षु हो गए थे।

भविष्यवाणी : बुद्ध के जन्म के बाद एक भविष्यवक्ता ने राजा शुद्धोदन से कहा था कि यह बालक चक्रवर्ती सम्राट बनेगा, लेकिन यदि वैराग्य भाव उत्पन्न हो गया तो इसे बुद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता और इसकी ख्याति समूचे संसार में अनंतकाल तक कायम रहेगी। राजा शुद्धोदन सिद्धार्थ को चक्रवर्ती सम्राट बनते देखना चाहते थे इसीलिए उन्होंने सिद्धार्थ के आस-पास भोग-विलास का भरपूर प्रबंध कर दिया ताकि किसी भी प्रकार से वैराग्य उत्पन्न न हो। बस यही गलती शुद्धोदन ने कर दी और सिद्धार्थ के मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया।

शाक्य संघ से मतभेद : जनश्रुति मान्यता अनुसार एक बार वे शाक्यों के संघ में सम्मलित होने गए। वहां उनका विचारिक मतभेद हो गया। मन में वैराग्य भाव तो था ही, इसके अलावा क्षत्रिय शाक्य संघ से वैचारिक मतभेद के चलते संघ ने उनके समक्ष दो प्रस्ताव रखे थे। वह यह कि फांसी चाहते हो या कि देश छोड़कर जाना। सिद्धार्थ ने कहा कि जो आप दंड देना चाहें। शाक्यों के सेनापति ने सोचा कि दोनों ही स्थिति में कौशल नरेश को सिद्धार्थ से हुए विवाद का पता चल जाएगा और हमें दंड भुगतना होगा तब सिद्धार्थ ने कहा कि आप निश्चिंत रहें, मैं संन्यास लेकिन चुपचाप ही देश से दूर चला जाऊंगा। आपकी इच्छा भी पूरी होगी और मेरी भी।

गृहत्याग : आधी रात को सिद्धार्थ अपना महल त्यागकर 30 योजन दूर गोरखपुर के पास अमोना नदी के तट पर जा पहुंचे। वहां उन्होंने अपने राजसी वस्त्र उतारे और केश काटकर खुद को संन्यस्त कर दिया। उस वक्त उनकी आयु थी 29 वर्ष।

तपस्या : ज्ञान की तलाश में सिद्धार्थ घूमते-घूमते अलारा कलम और उद्दाका रामापुत्त के पास पहुंचे। उनसे उन्होंने योग-साधना सीखी। कई माह तक योग करने के बाद भी जब ज्ञान की प्राप्ति नहीं हुई तो उन्होंने उरुवेला पहुंच कर वहां घोर तपस्या की।

बोधिवृक्ष : सुजाता नाम की एक महिला ने वटवृक्ष से मन्नत माँगी थी कि मुझको यदि पुत्र हुआ तो खीर का भोग लगाऊँगी। उसकी मन्नत पूरी हो गई तब वह सोने की थाल में गाय के दूध की खीर लेकर वटवृक्ष के पास पहुँची और देखा की सिद्धार्थ उस वट के नीचे बैठे तपस्या कर रहे हैं। सुजाता ने इसे अपना भाग्य समझा और सोचा कि वटदेवता साक्षात हैं तो सुजाता ने बड़े ही आदर-सत्कार के साथ सिद्धार्थ को खीर भेंट की और कहा 'जैसे मेरी मनोकामना पूरी हुई है यदि तुम भी किसी मनोकामना से यहाँ बैठे हो तो तुम्हारी मनोकामना भी पूर्ण होगी।'

ज्ञान प्राप्ति : छ: साल बीत गए तपस्या करते हुए। सिद्धार्थ की तपस्या सफल नहीं हुई। तब एक दिन कुछ स्त्रियां किसी नगर से लौटती हुई वहां से निकलीं, जहां सिद्धार्थ तपस्या कर रहे थे। उनका एक गीत सिद्धार्थ के कान में पड़ा- 'वीणा के तारों को ढीला मत छोड़ दो। ढीला छोड़ देने से उनका सुरीला स्वर नहीं निकलेगा। पर तारों को इतना कसो भी मत कि वे टूट जाएं।' बात सिद्धार्थ को जंच गई। वह मान गए कि नियमित आहार-विहार से ही योग सिद्ध होता है। अति किसी बात की अच्छी नहीं। किसी भी प्राप्ति के लिए मध्यम मार्ग ही ठीक होता है। बस फिर क्या था कुछ ही समय बाद ज्ञान प्राप्त हो गया। बोधी प्राप्ति की घटना ईसा से 528 वर्ष पूर्व की पूर्णिमा के दिन की है जब सिद्धार्थ 35 वर्ष के थे। भारत के बिहार में बोधगया में आज भी वह वटवृक्ष विद्यमान है जिसे अब बोधीवृक्ष कहा जाता है। सम्राट अशोक इस वृक्ष की एक शाखा श्रीलंका ले गए थे, वहां भी यह वृक्ष है।

उपदेश : वाराणसी के 10 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित सारनाथ में गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया। यहीं से उन्होंने धर्मचक्र प्रवर्तन प्रारंभ किया था। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव सुनाने के साथ ही चार आर्य सत्य और आष्टांगिक मार्ग के सिद्धांत को प्रतिपादित किया।

बौद्ध धर्म के पहले अनुयायी : वाराणसी के निकट सारनाथ में महात्मा बुद्द ने अपना पहला उपदेश पांच पंडितों, साधुओं को दिया, जो बौद्ध परंपरा में धर्मचक्रप्रवर्तन के नाम से विख्यात हैं। महात्मा बुद्ध ने तपस्स एवं मल्लक नाम के दो लोगों को बौद्ध धर्म का सर्वप्रथम अनुयायी बनाया, जिन्हें शूद्र माना जाता था। बौद्ध धर्म ने वर्ण व्यवस्था एवं जाति प्रथा का विरोध करता है।

प्रमुख शिष्य : गौतम बुद्ध के प्रमुख शिष्यों में आनंद, अनिरुद्ध, महाकश्यप, रानी खेमा (महिला), महाप्रजापति (महिला), भद्रिका, भृगु, किम्बाल, देवदत्त, उपाली आदि का नाम लिया जाता है।

पूर्व जन्म का ज्ञान : गौतम बुद्ध को अपने कई जन्मों की स्मृतियां थीं और यह भी वे अपने भिक्षुओं के भी कई जन्मों को जानते थे। यही नहीं वे अपने आसपास के पशु, पक्षी और पेड़-पौधे आदि के पूर्वजन्मों के बारे में भी भिक्षुओं को बता देते थे। जातक कथाओं में बुद्ध के लगभग 549 पूर्व जन्मों का वर्णन है।

देह के लिए झगड़ा : कहते हैं कि उनके अवशेषों पर मगध के राजा अजातशत्रु, कपिलवस्तु के शाक्यों और वैशाली के विच्छवियों आदि में भयंकर झगड़ा हुआ। जब झगड़ा शांत नहीं हुआ तो द्रोण नामक ब्राह्मण ने समझौता कराया कि अवशेष आठ भागों में बांट लिए जाएं। ऐसा ही हुआ। आठ स्तूप आठ राज्यों में बनाकर अवशेष रखे गये। बताया जाता है कि बाद में अशोक ने उन्हें निकलवा कर 84000 स्तूपों में बांट दिया था। गौतम बुद्ध के अस्थि अवशेषो पर भट्टि (दभारत) में निर्मित प्रचीनतम स्तूप को महास्तूप की संज्ञा दी गई है।

अंतिम संदेश : कहते हैं कि भगवान बुद्ध ने एक वृक्ष के नीचे लेटकर अपने शिष्यों से पूछा कि अंतिम बार कुछ पूछना चाहते हो तो पूछें। अंत में भगवान बुद्ध ने कहा, 'हे भिक्षुओं, इस समय आज तुमसे इतना ही कहता हूंकि जितने भी संस्कार हैं, सब नाश होने वाले हैं, प्रमाद रहित हो कर अपना कल्याण करो। अप्प दीपो भव:। ऐसा कहते हुए देह को त्याग दिया। 483 ईसा पूर्व को 80 वर्ष की उम्र में पर्णिमा के दिन उन्होंने देह छोड़ी।

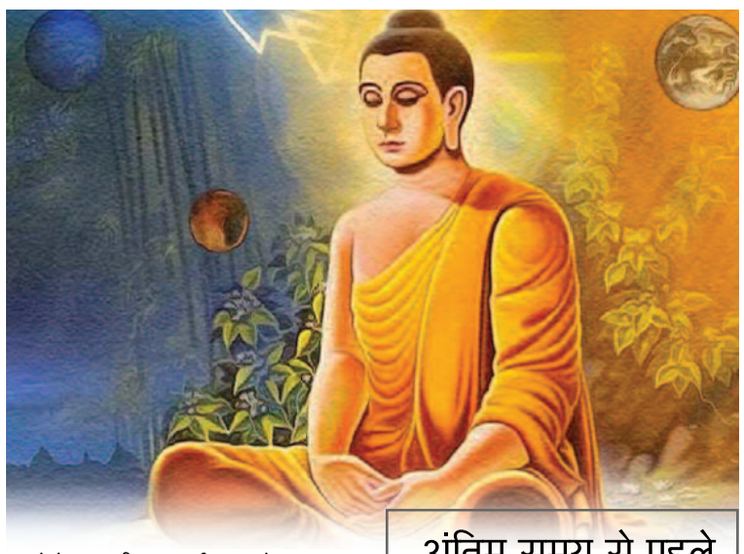

अंतिम समय से पहले

बुद्ध ने कहा, 'मेरा जन्म दो शाल वृक्षों के मध्य हुआ था, अत: अन्त भी दो शाल वृक्षों के बीच में ही होगा। अब मेरा अंतिम समय आ गया है।' आनंद को बहुत दु:ख हुआ। वे रोने लगे। बुद्ध को पता लगा तो उन्होंने उन्हें बुलवाया और कहा, 'मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि जो चीज उत्पन्न हुई है, वह मरती है। निर्वाण अनिवार्य और स्वाभाविक है। अत: रोते क्यों हो? बुद्ध ने आनंद से कहा कि मेरे मरने के बाद मुझे गुरु मानकर मत चलना।

जन्म, निर्वाण और मृत्यु का एक ही समय

बुद्ध ने अपने जन्म, संबोधि, निर्वाण और महापरिनिर्वाण में सभी समय का गजब तालमेल रखा। वैशाख पूर्णिमा के दिन नेपाल के लुम्बिनी वन में एक वृक्ष के नीचे बुद्ध का जन्म हुआ। इसी दिन उन्होंने बोधगया में एक वृक्ष के नीचे जाना कि सत्य क्या है और इसी दिन 80 वर्ष की उम्र में कुशीनगर में दो वृक्षों ने नीचे अलविदा कह गए।

6 दिन तक देह रही सुरक्षित

कहते हैं कि गौतम बुद्ध ने जब देह त्याग दी तक उनके जाने पर 6 दिनों तक लोग उनकी देह के दर्शनों के लिए आते रहे। सातवें दिन देह को जलाया गया।

आठ स्तूप

तथागत के निर्वाण के पश्चात उनके शरीर के अवशेष (अस्थियाँ) आठ भागों में विभाजित हुए और उन पर आठ स्थानों में आठ स्तूप बनाए गए हैं। आठ मुख्य स्तूप- कुशीनगर, पावागढ़, वैशाली, कपिलवस्तु, रामग्राम, अल्लकल्प, राजगृह तथा बेटद्वीप में बने। पिप्पलीय वन में अंगार स्तूप बना। कुम्भ स्तूप भी संभवत: कुशीनगर के पास ही बना। इन स्थानों में कुशीनगर, पावागढ़, राजगृह, बेटद्वीप (बेट-द्वारका) प्रसिद्ध हैं। पिप्पलीय वन, अल्लकल्प, रामग्राम का पता नहीं है। कपिलवस्तु तथा वैशाली भी प्रसिद्ध स्थान हैं।

संपादकीय

ललित चौधरी (संपादक)

दुरुस्त आयद

केंद्रीय मंत्रीमंड़ल ने पांच राज्यों के नये आईआईटी की शैक्षणिक और अवसंरचना क्षमता के विस्तार को स्वीकृति दे दी है, जिसकी कुल लागत 2025-26 से 2028-29 की अवधि में तकरीबन पौने बारह हजार करोड़.रुपये आंकी गई है। ये आईआईटी हैं-तिरूपति (आंध्र), पलक्कड़. (केरल), भिलाई (छत्तीसगढ़), जम्मू (जम्मू-कश्मीर) और धारवाड़. (कर्नाटक) जहां विद्यार्थियों की संख्या अगले चार वर्षों में साढ़े छह हजार से अधिक बढेगी। इनमें वे स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचड़ी कार्यक्रम में प्रवेश ले सकेंगे। इनमें प्रोफेसर स्तर के 130 संकाय पदों की स्वीकृति भी शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट भाषण में पहले ही आईआईटी में सीटों की संख्या में बढ़ोतरी का ऐलान कर चुकी थीं। केंद्र सरकार उद्योग-अकादमिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए अत्याधुनिक पार्कों की स्थापना को लेकर भी मुतमईन है।

आजादी के बाद यह पहली बार है, जब सरकार ने शैक्षणिक शिक्षा और बुनियादी ढ़ांचे को लेकर इतना ठोस कदम उठाने का ऐलान किया है। देश में इंजीनियरिंग करने वाले युवाओं की तादाद साल-दर-साल बढ़ती ही जा रही है। निजी विश्वविद्यालयों और संस्थानों के कुकरमुत्तों की तरह होने के बावजूद अभी भी आईआईटी के शैक्षणिक स्तर के नजदीक भी कोई नहीं फटक सका है।

यहां की ड़िग्री पाते ही मोटी तंख्वाह पर नियुक्ति ही नहीं होती, बल्कि शत-प्रतिशत रोजगार की गारंटी भी है। आईआईटी में भी मद्रास वाली शाखा पहली पायदान पर है, जबकि दिल्ली, बॉम्बे और कानपुर, क्रमशः दूसरे, तीसरे व चौथे स्थान पर आते हैं। सीटें सीमित होने के कारण छात्रों में हर शैक्षणिक सत्र आईआईटी तक न पहुंचने का मलाल रह जाता है। इस तरह सीटों का विस्तार होने से नौजवानों को बेहतर और सस्ती शिक्षा पाने के मार्ग प्रशस्त होंजे। कंप्यूटर से लेकर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों तक की बढ़ती मांग के मद्देनजर मध्यवर्गीय परिवार अपने बच्चों को बेहतरीन उच्च शिक्षा दिलाना चाहता है। उनके लिए सरकार का निर्णय बेहतरीन साबित हो सकता है। हालांकि जरूरी है कि ये विस्तार शीघ्रतम हो ताकि दोगुनी सीटों से लाभान्वित होने वाले अपनी प्रतिभा का बेहतरीन देकर देश के विकास में सहयोगी साबित हो सकें।

चिंतन मनन

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए।

प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है। चेतना के उस शुद्ध स्वभाव को देखो जहां जानने-देखने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वही परम दर्शन है।

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

योगेश कुमार गोयल

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी आज हम 205वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को ही 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 203 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रेंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मागरिट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को ह्यअंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवसह्न के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

अंतरराष्ट्रीय : भारत-ब्रिटेन की आर्थिक जुगलबंदी

गिरीश पांड़े

वर्ष 2022 से ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को लेकर चल रही वार्ता की आखिरकार, सफल समाप्ति हो गई और अब जल्द ही शून्य और अति मामूली शुल्क के साथ भारतीय निर्यात के लिए एक और विकसित देश का दरवाजा खुल जाएगा। इससे पहले भारत यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए करने में सफल रहा है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों ने 2005 में आपसी निवेश को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त आर्थिक और व्यापारिक फोरम की स्थापना भी की है। मई, 2021 में भारत और ब्रिटेन ने जो 'रोडमैप 2030' बनाया है, उससे भी निःसंदेह दीर्घकालिक पारस्परिक हित सधेंगे। रोडमैप का उद्देश्य 2030 तक भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है।

जहां तक मुक्त व्यापार समझौते का संबंध है, यह समझौता दो या दो से अधिक देशों के बीच एक व्यवस्था है, जिसके तहत वे अपने बीच व्यापार वाली अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क को पूरी तरह समाप्त करने या कम करने पर सहमत होते हैं। ब्रिटेन के साथ एफटीए पर अमल से गारमेंट, लेदर, जेम्स एवं ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स, हैंडीक्राफ्ट्स, खिलौना जैसे रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात में बढ़ोतरी होगी जिससे भारत में मैन्यूफैक्चरिंग के साथ रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। इस समझौते की वजह से छोटे और मध्यम उद्यमों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश करने का अवसर मिलेगा। संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी सहयोग और स्टार्टअप्स को भी लाभ हो सकता है।

भू-राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह समझौता ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन की वैश्विक व्यापार नीति का हिस्सा है, और भारत इसके माध्यम से पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत कर सकता है। इससे भारत के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को भी समर्थन मिल सकता है। भारत और ब्रिटेन के बीच रिश्ते तीन सौ साल से ज्यादा पुराने हैं। दोनों देशों के संबंधों को मजबूत रखने में ब्रिटेन में रहने वाले प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका है। भारत और ब्रिटेन के बीच फिलहाल करीब 20 अरब डॉलर का व्यापार होता है। दोनों इसे कम से कम दो गुना बढ़ाना चाहते हैं। उम्मीद है कि इस समझौते के बाद अगले दस वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार दो से तीन गुना तक बढ़ सकता है, और 2030 तक इसके 100 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

यह समझौता इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि अमेरिका अपनी शुल्क नीति को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए है। इससे कई देशों के सामने व्यापार में घाटे का संकट पैदा हो गया है। ऐसे में कई देश वैकल्पिक बाजार की तलाश में हैं। भारत को भी विकल्पों की तलाश है। ऐसे में उन्हीं देशों के साथ व्यापार बढ़ाने का प्रयास सफल हो सकता है, जिनके साथ पहले से व्यापारिक संबंध मजबूत हैं, और ब्रिटेन उनमें से एक है। जिन चीजों पर अधिक शुल्क लगने की वजह से अमेरिका में भारत के लिए बाजार सिकुड़ने की आशंका जताई जा रही है, उनकी ब्रिटेन में पहुंच आसान हो जाएगी।

इस समझौते के बाद दोनों देश एक-दूसरे के उत्पाद पर नाममात्र का शुल्क लगाएंगे। चूंकि अभी भारत और ब्रिटेन अपने विनिर्माण क्षेत्र में आई सुस्ती से पार पाने के उपाय तलाश रहे हैं, और यह सब कुछ व्यापार में बढ़ोतरी से ही संभव हो सकता है। अभी भारत का निर्यात लक्ष्य से काफी नीचे चल रहा है, जबकि आयात बढ़ रहा है। इस तरह चीन आदि कई देशों के साथ व्यापार घाटा काफी बढ़ गया है। लिहाजा, ऐसी परिस्थितियों में भारत की भी कोशिश है कि ब्रिटेन के साथ व्यापार को गति मिले ताकि इस संकट से पार पाने में मदद मिले।

इसमें दो राय नहीं कि भारत और ब्रिटेन के बीच संपन्न मुक्त व्यापार समझौते से आयात और निर्यात प्रवाह में वृद्धि होगी, निवेश प्रवाह बढ़ेगा, संसाधनों के अधिक कुशल आवंटन से उत्पादकता में वृद्धि के साथ ही अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए अधिक खुलेपन से आर्थिक विकास एवं समृद्धि में वृद्धि होने की उम्मीद है। रक्षा क्षेत्र में भारत के आत्मनिर्भरता अभियान में भी ब्रिटेन से तालमेल उपयोगी हो सकता है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में भारत की कंपनियों की अहम भूमिका है। भारत के हजारों छात्र ब्रिटेन में पढ़ रहे हैं। ब्रिटेन के लिए शिक्षा आय बढ़ाने का बड़ा जरिया है।

दया, करुणा और मानवता के महानायक भगवान बुद्ध!

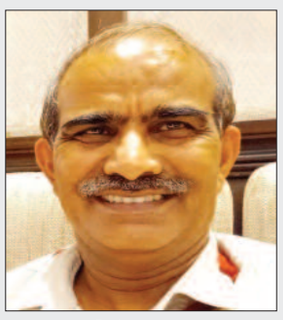

डॉ श्रीगोपाल नारसन

महात्मा बुद्ध का जीवन दर्शन और उनके विचार आज ढाई हजार से अधिक वर्षों के बेहद लंबे अंतराल बाद भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके प्रेरणादायक जीवन दर्शन का जनजीवन पर अमिट प्रभाव रहा है। हिन्दू धर्म में जो अमूल्य स्थान चार वेदों का है, वही स्थान बौद्ध धर्म में 'पिटकों' का है। महात्मा बुद्ध स्वयं अपने हाथ से कुछ नहीं लिखते थे बल्कि उनके शिष्यों ने ही उनके उपदेशों को कंठस्थ कर बाद में उन्हें लिखा और लिखकर उन उपदेशों को वे पेटियों में रखते जाते थे, इसीलिए इनका नाम 'पिटक' पड़ा,

वैशाख मास की पूर्णिमा को लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच एक राजकुमार के रूप में भगवान बुद्ध ने उस समय जन्म लिया, जब उनकी मां कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी अपने पीहर देवदह जा रही थी और रास्ते में ही उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई थी। इस राजकुमार का नाम रखा गया सिद्धार्थ, जो आगे चल कर महात्मा बुद्ध के नाम से विख्यात हुए। महात्मा बुद्ध का जीवन दर्शन और उनके विचार आज ढाई हजार से अधिक वर्षों के बेहद लंबे अंतराल बाद भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके प्रेरणादायक जीवन दर्शन का जनजीवन पर अमिट प्रभाव रहा है। हिन्दू धर्म में जो अमूल्य स्थान चार वेदों का है, वही स्थान बौद्ध धर्म में 'पिटकों' का है। महात्मा बुद्ध स्वयं अपने हाथ से कुछ नहीं लिखते थे बल्कि उनके शिष्यों ने ही उनके उपदेशों को कंठस्थ कर बाद में उन्हें लिखा और लिखकर उन उपदेशों को वे पेटियों में रखते जाते थे, इसीलिए इनका नाम 'पिटक' पड़ा, जो तीन प्रकार के हैं:- विनय पिटक, सुत्त पिटक तथा अभिधम्म पिटक। बुद्ध का कथन है ,कल्याण की भावना तथा प्राणीमात्र के प्रति दयाभाव का साक्षात्कार होता है। बुद्ध के हृदय में बाल्यकाल से ही चराचर जगत में विद्यमान प्रत्येक प्राणी में प्रति करूणा कूट-कूटकर भरी थी। मनुष्य हो या कोई जीव-जंतु, किसी का भी दुख उनसे देखा नहीं जाता था। एक बार की बात है, जंगल में भ्रमण करते समय उन्हें किसी शिकारी के तीर से घायल एक हंस मिला। उन्होंने उसके शरीर से तीर निकालकर उसे थोड़ा पानी पिलाया। तभी उनका चचेरा भाई देवदत्त वहां आ पहुंचा और कहा कि यह मेरा शिकार है, इसे मुझे सौंप दो। इस पर राजकुमार सिद्धार्थ ने कहा कि इसे मैंने बचाया है जबकि तुम तो इसकी हत्या कर रहे थे, इसलिए तुम्हीं बताओ कि इस पर मारने वाले का अधिकार होना चाहिए या बचाने वाले का। निश्चित ही बचाने वाले का अधिकार है।यही न्याय उनके पिताजी ने उनके साथ किया। बुद्ध की सोच थी कि 'जो व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से ईर्ष्या करता है, उससे वैर भाव रखता है, किसी पर बेवजह क्रोध करता है, निरीह प्राणियों पर अत्याचार या उनकी हत्या करता है, वही व्यक्ति नीच होता है। जब कोई किसी पर चिल्लाता है या उसे अपशब्द कहता है अथवा उसे नीच कहता है तो ऐसा करने वाला व्यक्ति ही वास्तव में नीचता पर उतारू होता है क्योंकि असभ्य व्यवहार ही नीचता का प्रतीक है। जो व्यक्ति किसी का कुछ लेकर उसे वापस नहीं लौटाता, ऋण लेकर लौटाते समय झगड़ा या बेईमानी करता है, राह चलते लोगों के साथ मारपीट कर लूटपाट करता है, जो माता-पिता या बड़ों का आदर-सम्मान नहीं करता और समर्थ होते हुए भी माता-पिता की सेवा नहीं करता बल्कि उनका अपमान करता है, वही व्यक्ति नीच होता है। जाति या धर्म निम्न या उच्च नहीं होते और न ही जन्म से कोई व्यक्ति उच्च या निम्न होता है बल्कि अपने विचारों, कर्म तथा स्वभाव से ही व्यक्ति निम्न या उच्च बनता है।

मध्य बिहार के धार्मिक तीर्थ स्थल गया से लगभग 10 किमी दूर वह पवित्र स्थान है जहां महात्मा बुद्ध को आध्यत्म का बोध हुआ और उन्होंने संसार से विरक्त होकर ईश्वरीय ज्ञान की अलख जगाई ,साथ ही दुनिया मे शांति व सदभाव की स्थापना के लिए उन्होंने साधना की। सिद्धार्थ अर्थात गौतम का संसार की मोह माया को त्यागकर महात्मा बुद्ध में परिवर्तित होना और अपना संपूर्ण जीवन धर्म के असली अर्थ को जानकर बोध की अवस्था को प्राप्त करना एक चमत्कार ही है, जिसका संदेश सारे विश्व में गया है।

बौद्ध धर्म को स्थापित करने वाले सिद्धार्थ अर्थात गौतम बुद्ध को बिहार की भूमि पर ही बोध की प्राप्ति हुई थी। जिस स्थान पर गौतम बुद्ध ने सर्वोच्च ज्ञान हासिल किया था, उस जगह को महाबोधि मंदिर, जो कि बोध गया में स्थित है, के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की सुरक्षा अत्यधिक है। श्रद्धालुओं को सीसीटीवी कैमरे की नजर में रखा जाता है। कैमरे व मोबाइल की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित है।चाहे श्रद्धालु स्त्री हो या पुरूष दोनों को ही दो दो बार तलाशी के दौर से गुजरना पड़ता है। तब जाकर महात्मा बुद्ध के विग्रह को निहारने व वहां बैठकर साधना सुख का अवसर मिल पाता है।

बौद्ध धर्म के पवित्र स्थल के रूप में प्रसिद्ध महाबोधि मंदिर के दर्शन के लिए बौद्ध धर्म के अनुयायी देश-विदेश से बोध गया आते हैं। महात्मा बुद्ध को विष्णु का अवतार भी माना जाता है इसलिए इस मंदिर को लेकर हिन्दू धर्म के लोगों की भी गहरी आस्था है।

महात्मा बुद्ध का जीवन जितना अद्भुत था। इस मंदिर का इतिहास भी उतना ही रोचक है, जो मौर्य शासक सम्राट अशोक से जुड़ा है। गौतम बुद्ध को बोध की प्राप्ति कब हुई, इससे ठीक अनुमान से जुड़ा कोई भी दस्तावेज मौजूद नहीं है। यहां तक कि बुद्ध का जन्म किस सदी और किस तारीख को हुआ, इससे जुड़ा कोई पुख्ता प्रमाण मौजूद नहीं है।

महात्मा बुद्ध का संबंध 5वीं और 6वीं शताब्दी ईसापूर्व से है। माना जाता है तीसरी शताब्दी ईसापूर्व में सम्राट अशोक, जो बौद्ध धर्म ग्रहण करने वाले पहले शासक थे, ने इस महाबोधि मंदिर में अपने विशिष्ट पहचान वाले खंबे भी लगवाए जिनके शीर्ष पर हाथी बना होता था।

पहली शताब्दी ईसवी में इस मंदिर की परिधि में नक्काशीदार पत्थरों से बनी एक बाड़ लगा दी गई, जिसके कुछ अवशेष आज भी मौजूद हैं। इस मंदिर के भीतर एक बड़ी प्रतिमा के रूप में बुद्ध, पद्मासन में विराजमान हैं। कहा जाता है यह वही स्थान है जहां बुद्ध को निर्वाण की प्राप्ति हुई थी।

मंदिर के भीतर स्थित बुद्ध की प्रतिमा के आगे भूरे बलुए पत्थर पर बुद्ध के विशाल पदचिन्ह भी मौजूद हैं, जिन्हें धर्मचक्र प्रर्वतन का प्रतीक भी कहा जाता है।

इस मूर्ति के चारों ओर विभिन्न रंगों के झंडे लगे हुए हैं जो इस मूर्ति को बेहद आकर्षक और विशिष्ट बनाते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि जब सम्राट अशोक ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था तब यहां हीरे-जवाहरात से बना एक सिंहासन भी बनवाया था, जिसे पृथ्वी का नाभि केन्द्र माना जाता था।

महाबोधि मंदिर के परिसर में उन सात स्थानों को प्रमुखता के साथ चिन्हित किया गया है जहां महात्मा बुद्ध ने ज्ञान की प्राप्ति होने के पश्चात आगामी सात सप्ताह व्यतीत किए थे। ज्ञान प्राप्ति के पश्चात महात्मा बुद्ध ने दूसरा सप्ताह जिस वृक्ष के नीचे बिताया था उस बोधि वृक्ष की पांचवीं पीढ़ी का पेड़ आज भी वहां मौजूद है। यहां बुद्ध की एक प्रतिमा भी बनी हुई है, जिसे अनिमेश लोचन कहा जाता है।

महाबोधि मंदिर का उत्तरी भाग 'चंकामाना' के नाम से पहचाना जाता है। इस स्थान पर बुद्ध ने निर्वाण के बाद तीसरा सप्ताह बिताया था। इस स्थान पर काले पत्थर से कमल का फूल बनाया हुआ है, जिसे बुद्ध का प्रतीक चिह्न माना जाता है।

महाबोधि मंदिर के भीतर उत्तर-पश्चिम दिशा में एक भग्नावेष है, जिसे रत्नधारा से नाम से जाना जाता है। इस भग्नावेष की छत नहीं है। माना जाता है कि बोध की प्राप्ति के पश्चात बुद्ध ने चौथा सप्ताह यहीं बिताया था। लोककथाओं के अनुसार यहां रहने के मध्य बुद्ध गहन ध्यान में लीन थे तब उनके शरीर में से एक किरण निकली थी।

ऐसा माना जाता है कि ज्ञान प्रप्ति के बाद महाबोधि मंदिर के भीतर उत्तरी दरवाजे से कुछ दूरी पर स्थित अजपाला-निगोध्र वृक्ष के नीचे पांचवां सप्ताह बिताया था।

महाबोधि मंदिर के दाईं ओर स्थित मूचालिंडा झील के समीप बुद्ध ने छठा सप्ताह व्यतीत किया था। यह झी बहुत खूबसूरत और चारों ओर से फूलों से घिरी हुई है। इस झील के भीतर बुद्ध की मूर्ति स्थापित है जिसकी रक्षा एक सर्प कर रहा है।

बुद्ध मूर्ति के साथ एक प्रचलित दंतकथा जुड़ी हुई है। जिसके अनुसार बुद्ध अपने ध्यान में लीन थे कि उन्हें खराब मौसम, आंधी-तूफान की भी परवाह नहीं रही। मूसलाधार बारिश में जब बुद्ध फंस गए तब सांपों के राजा मूचालिंडा ने अपने निवास से बाहर आकर उनकी रक्षा की।

मंदिर के प्रांगण के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में एक राजयातना वृक्ष है, जहां बुद्ध ने अपना सातवां सप्ताह बिताया था। इस स्थान पर महात्मा बुद्ध बर्मा से आए दो व्यापारियों से मिले थे। इन व्यापारियों ने बुद्ध से शरण मांगी तो जवाब में बुद्ध ने बुद्धम शरणं गच्छामि का उच्चारण किया।इस ऐतिहासिक मन्दिर के पास ही भगवान जगन्नाथ का मंदिर भी है।जो भी देश विदेश से श्रद्धालु आते है,वे महाबोधि मन्दिर के साथ साथ भगवान जगन्नाथ के भी दर्शन करना नही भूलते । इस मंदिर की सुरक्षा भी अचूक सुरक्षा चक्र से बनाई गई है।जो आस्था को प्रभावित भी करती है।परंतु उक्त स्थान पर हो चुके आतंकी हमले के कारण यह सुरक्षा जरूरी हो गई है।पटना महानगर का इतिहास भी 600 शताब्दी पूर्व भगवान बुद्ध के समय से जुड़ा है। पटना तब एक छोटा सा कस्बा हुआ करता था और इसे पाटलीपुत्र नाम से दुनियाभर में पहचान मिली हुई थी। राजा अजात शत्रु ने अपने शत्रु लिच्छवी

गणतन्त्र का मुकाबला करने के लिए गंगा किनारे इस पाटलीपुत्र कस्बे को एक किले के रूप में विकसित किया। जिसके तहत कस्बे के चारो ओर दीवारे बनाई गई। इसके बाद महात्मा बुद्ध यहां आए और कुछ समय यहां प्रवास किया, इसी कारण पटना को भगवान बुद्ध की नगरी भी कहां जाता है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार है)

स्वामी/ मुद्रक/ प्रकाशक एवं संपादक ललित चौधरी ने वैकुंठ मीडिया प्रा0 लि0, 285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर, 02, अटौर, राजनगर एक्सटेंशन, पोस्ट-अटौर, गाजियाबाद (201003) उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया।
(RNI NO: UPHIN2023/88802) संपर्क सूत्र - 8527848454 / 6284195503 (नोट : समस्त वाद विवाद हेतु न्यायिक क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय होगा।)

अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम को सख्त करने जा रही सरकार

अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम को सख्त करने जा रही सरकार

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम को सख्त करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए ड्राफ्ट पॉलिसी भी तैयार कर ली गई है।

अपस्ट्रीम ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन और उत्पादन क्षेत्र के लिए तैयार की गई केंद्र की नई ड्राफ्ट पॉलिसी का उद्देश्य गैस फ्लेयरिंग गतिविधियों सहित खनिज तेल संचालन के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और फ्लेयर्ड गैस की करीब से निगरानी करना है।

तेल क्षेत्रों से उत्पादन के दौरान गैस का नियमित रूप से प्रज्वलन होता रहता है, क्योंकि उत्पादन क्षेत्रों में गैस के उपयोग के लिए फैलिसिटीज जैसे रिइंजेक्शन, ऑन-साइट उपयोग, बाजार तक परिवहन आदि की कमी होती है। ड्राफ्ट पॉलिसी में यह प्रावधान है कि सभी पट्टेधारक और ठेकेदारों को प्रत्येक कैलेंडर तिमाही के अंत से पंद्रह दिनों के भीतर निश्चित फॉर्मेट के अनुसार तिमाही आधार पर प्रज्वलित गैस की मात्रा और उससे संबंधित उत्सर्जन की रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। नियमों में यह स्पष्ट किया गया है कि हर पट्टेदार और ठेकेदार खनिज तेल उत्पादक परिचालन के दौरान होने वाली ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन को कम करने के उपाय अपनाएगा और लागू पर्यावरण कानूनों और मानदंडों का अनुपालन करेगा। ड्राफ्ट नियमों में कहा गया है कि प्रत्येक पट्टेदार और ठेकेदार को पट्टे पर दिए गए क्षेत्र से खनिज तेल का उत्पादन शुरू होने के 180 दिनों के भीतर खनिज तेल परिचालन से ग्रीनहाउस उत्सर्जन के स्रोतों की पहचान और मापने से विधि के लिए एक निगरानी प्लान प्रस्तुत करना होगा। ड्राफ्ट नियमों में आगे कहा गया कि पट्टेदार या ठेकेदार भारत सरकार को एक पर्यावरण प्रबंधन योजना और आपदा योजना प्रस्तुत करेगा, जिसमें भूजल दूषित होने और वायुमंडलीय उत्सर्जन सहित पर्यावरण के लिए जोखिम को कम करने के उपायों की रूपरेखा होगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ड्राफ्ट नियमों पर पक्षकारों से टिप्पणियां मांगी हैं।

गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई जल्द आज सकता है बाजार में

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में सैमसंग अपना नया फोल्डेबल डिवाइस गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई जल्द ही उतार सकता है। गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई को सैमसंग की फिलप सीरीज़ का अधिक किफायती वर्जन माना जा रहा है। यह फोन कंपनी के आगामी गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में पेश किया जा सकता है, जहां गैलेक्सी झेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी झेड फलीप 7 भी लॉन्च होने की उम्मीद है। लॉन्च से पहले ही इस फोन से जुड़ी कई अहम जानकारियां ऑनलाइन लीक हो चुकी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैमसंग इस डिवाइस की कीमत 1,000 यूरो (करीब 96,000 रुपये) से कम रख सकता है, जो कि मौजूदा गैलेक्सी झेड फलीप 6 की शुरुआती कीमत के आसपास है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसमें 6.7 इंच की एलटीपीओ सुपर एमोलेड 2एक्स फोल्डेबल स्क्रीन दी जा सकती है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगी। कवर स्क्रीन का साइज 3.4 इंच हो सकता है। फोन में क्वालकॉम का स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 प्रोसेसर और 12जीबी रैम दिए जाने की संभावना है।

यह फोन 4000एमएएच की बैटरी के साथ आ सकता है, जो 25वॉट फास्ट चार्जिंग और 15वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करेगा। साथ ही आईपी48 रेटिंग मिलने की उम्मीद है, जो इसे धूल और पानी से सुरक्षित रखेगी। फोटोग्राफी के लिए इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप हो सकता है, जिसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य सेंसर और 12 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस शामिल होगा। फ्रंट में 10 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिल सकता है। सभी कैमरे 4 के 60एफपीएस वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट कर सकते हैं।

मंडियों में आवक घटने और मांग बढ़ने से तेल-तिलहन कीमतों में तेजी रही

मूंगफली और सोयाबीन का हाजिर दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी कम

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह मंडियों में कम आवक और मांग बढ़ने के बीच देश के तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए। इसके बावजूद मूंगफली और सोयाबीन का हाजिर दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी कम है। बाजार सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में जो सुधार देखा गया वह पिछले सप्ताह की कीमत के मुकाबले जरूर आया है पर इसे सुधार कहना अनुचित होगा। जैसे नवंबर, 2024 में जिस सीपीओ का दाम 1,310 डॉलर प्रति टन था वह घटकर 1,025-1,030 डॉलर टन रह गया है। अब अगर सीपीओ का मौजूदा दाम बढ़कर 1,035-1,040 डॉलर हो जाये तो इसे 'तेल कीमतों में भारी तेजी' बताना सही नहीं होगा। संभवतः इसी तरह की समीक्षाओं की वजह से भी देश के तेल-तिलहन उत्पादन को आघात पहुंचा है और देश खाद्य तेलों के मामले में आयात पर निर्भर होता चला गया है। सूत्रों ने कहा कि विदेशों में दाम टूटने के बीच कच्चे पाम तेल (सीपीओ) की मांग बढ़ने लगी है। मलेशिया में सीपीओ का उत्पादन बढ़ने का समय है और उम्मीद है कि इसका दाम सोयाबीन तेल से और घटेगा और उसके बाद इसकी मांग में अभी के मुकाबले और सुधार होगा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 185 रुपये के सुधार के साथ 6,460-6,560 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 675 रुपये के सुधार के साथ 13,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,435-2,535 रुपये और 2,435-2,560 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 125-125 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 4,600-4,650 रुपये और 4,300-4,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 500 रुपये, 350 रुपये और 400 रुपये बढ़कर क्रमशः 13,550 रुपये, 13,300 रुपये और 9,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 125 रुपये की मजबूती के साथ 5,750-6,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 200 और 30 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 14,100 रुपये क्विंटल और 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि छिटपुट मांग बढ़ने से सीपीओ 200 रुपये की मजबूती के साथ 11,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की तेजी के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 350 रुपये की मजबूती के साथ 12,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 350 रुपये बढ़कर 13,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

मोटो जी86 5जी लॉन्च करने की तैयारी, मिलेंगे दमदार फीचर्स

नई दिल्ली।

मोटोरोला कंपनी जल्द ही मोटो जी86 5जी लॉन्च कर सकती है। हाल ही में सामने आई एक लीक में इस अपकमिंग डिवाइस के लगभग सभी फीचर्स उजागर हो चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोटो जी86 5जी में 6.67 इंच का फुल एचडी प्लस कर्व्ड पीओएलईडी डिस्प्ले मिलेगा, जो 10-बिट कलर सपोर्ट और 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आएगा। यह फोन पिछले साल लॉन्च हुए मोटो जी85 का अपग्रेड वर्जन होगा। इसकी ब्राइटनेस 4500 निट्स तक हो सकती है और स्क्रीन को गोरिल्ला ग्लास 7 आई का प्रोटेक्शन मिल सकता है। प्रोसेसर की बात करें तो इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 चिपसेट मिलने की संभावना है। फोन में 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक इंटरनल स्टोरेज का विकल्प मिलेगा। कैमरा सेगमेंट में यह स्मार्टफोन भी दमदार साबित हो सकता है। पीछे की तरफ इसमें ओआईएस सपोर्ट वाला 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस मिलेगा। फोन को एमआईएल एसटीडी 810एच सर्टिफिकेशन और आईपी68 रेटिंग के साथ पेश किया जा सकता है, जिससे यह डस्ट और वॉटर रेजिस्टेंस के मामले में भी मजबूत रहेगा। मोटो जी86 5जी को एक प्रीमियम लेकिन मिड-रेंज विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, सेल्फी के लिए इसमें 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है।

बैटरी के मामले में यह फोन दो ऑप्शन्स में आ सकता है - 5200एमएएच या फिर बड़ी 6720 एमएएच की बैटरी, जो 33वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। सिक्योरिटी के लिए इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर और सॉफ्टवेयर के लिहाज से यह एंड्रॉयड 15 पर काम करेगा।

रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लि. जल्द करेगी आईपीओ लॉन्च, सेबी से हरी झंडी का इंतजार

नई दिल्ली।

रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने आईपीओ लॉन्च करने की योजना बनाई है। रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 1100 करोड़ रुपए तक फंड जुटाने की तैयारी में है। इसके लिए कंपनी ने सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कर दिया है। इस आईपीओ में पूरी तरह से इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल किया जाएगा, जिसमें बिक्री के लिए कोई ऑफर नहीं होगा। इसका उद्देश्य कंपनी के विस्तार और वित्तीय रणनीतियों का समर्थन करना है। कंपनी 220 करोड़ के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। यदि ऐसा किया गया तो इश्यू का आकार उसी अनुपात में कम हो जाएगा।आईपीओ से प्राप्त कमाई को अलग-अलग मोर्चे पर खर्च किया जाएगा। इसमें से 251 करोड़ रुपए की रकम का इस्तेमाल नए निर्माण उपकरणों की खरीद के लिए किया जाएगा। इससे कंपनी की परिचालन क्षमताएं मजबूत होगी। इसके अतिरिक्त 334 करोड़ रुपए कंपनी की सहायक कंपनियों को मौजूदा उधारों के री-पेमेंट में सहायता के लिए दिए जाएंगे। कुछ कर्ज को चुकाने के लिए 289 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिससे वित्तीय स्थिरता में सुधार तय होगा। आईपीओ का प्रबंधन मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड और एक्सिस कैपिटल लिमिटेड द्वारा किया जाता है। रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 26 फरवरी, 2009 को वजूद में आया था।

पहले इस कंपनी का नाम रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड था। इसके कई साल बाद कंपनी 2023 में रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड बन गई। इस कंपनी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड के साथ सात पूरी हो चुकी परियोजनाओं और 10 चालू परियोजनाओं के साथ शुरुआत की थी।

शेयर बाजार में इस हफ्ते 14 कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी

लिस्ट में एसबीआई जैसे दिग्गज शेयर भी शामिल

नई दिल्ली। शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने वाली 14 कंपनियां, इस हफ्ते नजर आ रही हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पीएसयू स्टॉक बीईएमएल भी इस सूची में शामिल हैं। 13 मई को आईअरबी इनविट फंड, आईएफजीएल रेफैक्टरिज लिमिटेड, और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड डिविडेंड जारी करने का फैसला लिए हैं। 14 मई को आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड, फेस्को इंडिया लिमिटेड, और बीएसई लिमिटेड भी एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड इन्वेस्टर्स को 6 रुपये का डिविडेंड देगी, जबकि फेस्को इंडिया लिमिटेड 25 रुपये का वितरण करेगी। 15 मई को, ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी लिमिटेड, मण्णापुरम् फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, और पीएसयू कंपनी बीईएमल डिविडेंड देने के लिए तैयार होंगी। आने वाले 16 मई को नर्मदा मेमकप्लास्ट ड्रिप इरीगेशन सिस्टम लिमिटेड, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और इंडियान इनर्जी लिमिटेड भी अपने निवेशकों को डिविडेंड सुविधा प्रदान करेंगी। इस हफ्ते के शुरुआती दिनों में, शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने वाली ये कंपनियां निवेशकों को नए वितरण के अवसर प्रदान करेंगी।

एक हफ्ते में 2,400 रुपए से अधिक महंगा हुआ सोना, चांदी में भी रही तेजी

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी है। बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत में 2,400 रुपए और चांदी की कीमत में 1,600 रुपए प्रति किलो से अधिक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 96,416 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि 3 मई को 93,954 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो सोने के दाम में 2,462 रुपए की वृद्धि को दिखाता है। 22 कैरेट के सोने का भाव बढ़कर 94,100 रुपए प्रति 10 ग्राम, 20 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 85,810 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट के सोने का दाम बढ़कर 78,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। इसके अतिरिक्त चांदी की कीमतों में भी 1,601 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी देखने को मिली है। एक किलो चांदी का दाम बढ़कर 95,726 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि 3 मई को 94,125 रुपए प्रति किलो पर था। घरेलू के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में इजाफा देखने को मिला है। सोने की कीमत बढ़कर 3,344 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है, जो कि इस हफ्ते की शुरुआत में 3,246 डॉलर प्रति औंस पर थी। वहीं, इस दौरान चांदी की कीमत 32.20 डॉलर प्रति औंस से बढ़कर 32.90 डॉलर प्रति औंस हो गई है। सोने और चांदी की कीमत में इस साल की शुरुआत से ही तेजी का ट्रेंड देखा जा रहा है। एक जनवरी से अब तक 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का भाव 76,162 रुपए से 20,254 रुपए या 26.59 प्रतिशत बढ़कर 96,416 रुपए हो गया है। इस दौरान चांदी की कीमत 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,709 रुपए या 11.28 प्रतिशत बढ़कर 95,726 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है।

चालू वित्त वर्ष में भी दोपहिया वाहनों की बिक्री में रहेगी तेजी: टीवीएस मोटर

वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण बढ़कर 1,88,77,812 इकाई हुआ

नई दिल्ली।

टीवीएस मोटर कंपनी के सीईओ ने कहा है कि आयकर में छूट, बुनियादी ढांचे पर खर्च में वृद्धि और सामान्य मानसून की उम्मीदों से घरेलू दोपहिया वाहन उद्योग में चालू वित्त वर्ष में भी वृद्धि की रफ्तार कायम रहने की उम्मीद है। कुल मिलाकर वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण आठ प्रतिशत बढ़कर 1,88,77,812 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 1,75,27,115 इकाई था। कंपनी अ धिकारी ने विश्लेषकों से बातचीत में कहा कि हमें उम्मीद है कि घरेलू बाजार में कुल मिलाकर वृद्धि की गति पिछले साल की तरह ही रहेगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष की पहली तिमाही बिक्री के मामले में मध्यम हो सकती है, लेकिन मई और जून में बिक्री मजबूत रहने की उम्मीद है, क्योंकि दोनों माह के दौरान कई शादी-विवाह के दिन हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगभग 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यह मुख्य रूप से खपत में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में सुधार से प्रेरित है। पिछले तीन महीनों में नीतिगत दर रेपो में 0.50 प्रतिशत की कमी से उपभोक्ताओं के लिए मासिक किस्त (ईएमआई) कम हुई है। इससे व्यापक आधार पर दोपहिया खरीदना आसाना होगा। बीते वित्त वर्ष 2024-25 में टीवीएस मोटर कंपनी की कुल दोपहिया और तिपहिया वाहन बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 47.44 लाख इकाई रही, जबकि 2023-24 में यह 41.91 लाख इकाई थी।

इस सप्ताह महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

थोक महंगाई जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े भी इस सप्ताह अहम भूमिका निभाएंगे

मुंबई।

भारत और पाकिस्तान तनाव से सहमे निवेशकों की बिकवाली के दबाव की वजह से बीते सप्ताह लगभग डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह अप्रैल के जारी होने वाली थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े पर नजर रहेगी। बाजार विश्लेषकों के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में निवेशकों की धारणा पर इसका सीमित प्रभाव देखने को मिला है। इस वर्ष अप्रैल में निरंतर विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) और रिकॉर्ड वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दिया, जिससे बाजारों में स्थिरता बनी रही। कमजोर अमेरिकी डॉलर और स्थिर कच्चे तेल की कीमतों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। भारत-ब्रिटेन के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की सकारात्मक चर्चा ने विशेष रूप से कपड़ा, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी को समर्थन दिया। वैश्विक स्तर पर भी संकेत उत्साहवर्धक रहे हैं। अमेरिका की फेडरल रिजर्व ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की नीतिगत बैठक के सतर्क रुख के बावजूद अमेरिका और चीन व्यापार वार्ता की संभावित बहाली तथा अमेरिका और ब्रिटैन व्यापार समझौते को लेकर आशावाद ने

वैश्विक बाजारों को सहारा दिया। इसके साथ ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा ब्याज दरों में कटौती के फैसले ने क्षेत्रीय बाजारों में सकारात्मक रुख को बढ़ावा दिया, जिससे निवेशकों का विश्वास और मजबूत हुआ। बाजार की इस सप्ताह दिशा निर्धारित करने में घरेलू स्तर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े अहम भूमिका निभाएंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि मुद्रास्फीति के दबाव में कुछ नरमी देखने को मिल सकती है।

हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव एक महत्वपूर्ण जोखिम बना हुआ है। बावजूद इसके बाजार को उम्मीद है कि भारत की कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य शक्ति इस संकट को जल्द सुलझा लेगी।

खाद निर्माता कंपनी कोरमंडल हर शेयर पर देगी 9 रुपए का डिविडेंड

नई दिल्ली।

खाद उत्पादक कंपनी कोरमंडल ने मार्च 2025 में समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी का प्रदर्शन इस साल काफी अच्छा रहा है। मार्च तिमाही में कंपनी का राजस्व 5,114 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही के 3,996 करोड़ रुपये से काफी ज्यादा है। इसी तरह मुनाफा भी 164 करोड़ से बढ़कर 578 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का कुल राजस्व 24,444 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल यह 22,290 करोड़ रुपये था। कंपनी का नेट प्रॉफिट भी 1,641 करोड़ से बढ़कर 2,055 करोड़ रुपये हो गया है। बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए कोरमंडल इंटरनेशनल ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 9 रुपये डिविडेंड देने की घोषणा की है। इसमें से 6 रुपये अंतिम लाभांश और 3 रुपये विशेष लाभांश के रूप में दिया जाएगा। यह लाभांश 1 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर पर 900 फीसदी के बराबर है। इससे पहले फरवरी में कंपनी ने 6 रुपये का अंतरिम लाभांश भी दिया था।

जानिए, लग्जरी कारों की कीमतें क्यों होती है आम आदमी की पहुंच से दूर

नई दिल्ली।

जो लग्जरी कार अमेरिका या दुबई में औसत कमाई वाले लोग भी खरीद सकते हैं, वही कार भारत में करोड़ों रुपये की कैसे बन जाती है। इसका जवाब टैरिफ और टैक्स की जटिल व्यवस्था में छिपा है। उदाहरण के तौर पर, दुबई में महज 30 लाख रुपये में मिलने वाली एसयूवी भारत में पहुंचते-पहुंचते करीब 2 करोड़ रुपये की हो जाती है। ऐसा ही अंतर बीएमडब्ल्यू एक्स5 और रेंज रोवर जैसी कारों में भी देखने को मिलता है। इनवेस्टमेंट बैंकर सार्थक आहुजा के मुताबिक, रेंज रोवर जो अमेरिका में सिर्फ 80 लाख रुपये में मिलती है, वह भारत में 2 करोड़ रुपये में बिकती है। इसी तरह, फार्च्यूनर जो भारत में करीब 50 लाख की है, वह दुबई में केवल 35 लाख रुपये में मिल जाती है। इस भारी अंतर की सबसे बड़ी वजह है भारत में लागू टैरिफ यानी आयात शुल्क। सरकार लग्जरी गाड़ियों पर 60 से 100 फीसदी तक का इंपोर्ट ड्यूटी वसूलती है। इसके अलावा 28 फीसदी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाया जाता है और उस पर भी अलग से सेस जोड़ा जाता है। यही नहीं, इन सभी टैक्स के अलावा रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस जैसे राज्य-स्तरीय शुल्क भी उपभोक्ता को चुकाने होते हैं। कुल मिलाकर, किसी इम्पोर्टेड कार की मूल कीमत का लगभग 45 से 50 फीसदी केवल टैक्स और शुल्क में चला जाता है। इसके उलट, दुबई जैसे देशों में इंपोर्ट ड्यूटी और टैक्स काफी कम

होते हैं, जिससे वही कार वहां बहुत सस्ती मिल जाती है। इसका एक दूसरा पहलू यह भी है कि भारत में बनी टाटा, मारुति और महिंद्रा जैसी कंपनियों की गाड़ियां अपेक्षाकृत सस्ती होती हैं क्योंकि इनका निर्माण यहीं होता है और इन पर आयात शुल्क लागू नहीं होता। यही कारण है कि स्थानीय निर्माण से ग्राहकों को कम कीमत का लाभ मिल जाता है। लेकिन जैसे ही ये गाड़ियां विदेश जाती हैं, वहीं की टैक्स व्यवस्था इन्हें महंगी बना देती है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते से लक्जरी कार कीमतों पर असर नहीं: कंपनियां

समझौते के तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम होगा

नई दिल्ली।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सकारात्मक पहल की घोषणा की है। इस समझौते के तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम होगा, जिससे भारत में भारतीय उत्पादों का आयात आसान हो जाएगा। समझौते का उद्देश्य है व्यापार को दोगुना कर 2030 तक 120 अरब डॉलर पहुंचाना। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के सीईओ ने इस समझौते का स्वागत किया और बताया कि इससे कारों की कीमतों पर असर नहीं पड़ेगा। व्यापार समझौते के तहत भारतीय उत्पादों को विदेश में पहुंचाने की सुविधा मिलेगी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने भी इस समझौते की महत्वता बताई और व्यापार को बढ़ावा देने का समर्थन किया। इसके अलावा ये समझौते साथ ही भारतीय उद्योगों के संरक्षण और वाहन क्षेत्र में आयात शुल्क को कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि की उम्मीद है और अगले समय में उत्पादों की कीमतों में भी कटौती की जा सकती है। उन्होंने कहा` कि भारत-ब्रिटेन एफटीए एक ऐतिहासिक करार प्रतीत होता है, जिसमें वस्तुएं, सेवाएं और परिवहन शामिल हैं और यह विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण में योगदान देगा।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली।

भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने रे विवार को सुबह 6 बजे ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। जारी रेट के अनुसार रे विवार को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि कच्चे तेल की बात करें तो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल, जो कि पिछले दिनों के मुकाबले कम है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए लीटर, डीजल 87.67 रुपए लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपए लीटर, डीजल 90.03 रुपए टर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपए लीटर, डीजल 91.82 रुपए लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.80 रुपए लीटर, डीजल 92.39 रुपए लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.87 रुपए लीटर, डीजल 88.14 रुपए लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपए लीटर, डीजल 88.99 रुपए लीटर व अन्य शहरों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है।

BharatkaBadaltaShasan@Gmail.com
भारत का बदलता शासन
follow us -@Bharatkbs

मुझे अपने देश की सेना पर गर्व है

मुझे अपने देश के प्रधानमंत्री पर गर्व है : बालकिशन गुप्ता

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष एवं रेलवे बोर्ड सदस्य बालकिशन गुप्ता ने भारतीय सेना और भारत सरकार की प्रशंसा और सराहना करते हुए कहा कि मुझे गर्व है अपने देश के प्रधानमंत्री पर...मुझे गर्व है अपने देश की सेना पर। मेरा सौभाग्य है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी हैं, जिनके हाथों में देश का भविष्य सुरक्षित है' मैंने नरेंद्र मोदी के रूप में एक सच्चा देशभक्त एवं विश्व स्तरीय नेतृत्व क्षमता प्रदान करने वाले व्यक्तित्व को देखा है। आज उनके नेतृत्व में भारतीय सेना के पराक्रम ने पकिस्तान को घुटनो पर ला दिया उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है, हमें अपनी भारतीय सेना और अपने बहादुर सैनिकों पर गर्व है। 140 करोड़ देशवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। देश के लोग सैनिकों के साहस और उत्साह के लिए देश की सेना के साथ खड़े हैं।

भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम : ठा. गौरव राणा

भारत का बदलता शासन follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष ठाकुर गौरव राणा (टीटू) ने कहा कि ये नया भारत है घर में घुसकर मारता है उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से भारतीय सेना ने आतंकवादियों पर कड़ा प्रहार कर अपने देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम ऑपरेशन सिन्दूर के तहत, आपने अदम्य साहस का प्रदर्शन किया है आतंकी ठिकानों पर जोरदार प्रहार से पूरे देश को गौरवान्वित किया हमारे देश के दुश्मन को उन्हीं के इलाके में निस्तेनाबूत किया हमें अपनी भारतीय सेना और अपने बहादुर सैनिकों पर गर्व है। जय हिंद, वंदे मातरम!

समाचार व विज्ञापन प्रकाशित कराने एवं हमसे जुड़ने के लिए सम्पर्क करें - 8527848454

हमारे बहादुर सशस्त्र बलों को सलाम- तरुण रावत

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। एसबीएन ग्रुप के डायरेक्टर और युवा कांग्रेस नेता तरुण रावत ने कहा कि भारतीय सेना का साहस हर देशवासी का विश्वास है। सभी देशों से भारत श्रेष्ठ देश है, जहां अलग अलग भाषा व संस्कृति के बावजूद हम एक सूत्र में बंधे हैं। राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाये रखने के लिए हम सभी तत्पर हैं। सभी में यह भावना है कि हम सबसे पहले भारतीय हैं इसके बाद हिंदू, मुसलमान व सिख ईसाई। हमारे देश की यह महानता है कि यहां धार्मिक स्वतंत्रता है एवं सभी को बराबर का दर्जा मिला है। इससे हमारे देश की अखंडता का पता चलता है। इसे बनाये रखने के लिए महापुरुषों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। उन्हीं के बलिदान से हमारा राष्ट्र ध्वज गर्व के साथ लहरा रहा है। हमें अपने देश की एकता व अखंडता पर गर्व करना चाहिए। हम सब एक साथ हैं, आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं।

उन्होंने गुरु गोविंद सिंह के एक दोहे, देह शिवा बर मोहे एहे का उल्लेख करते हुए कहा, हमारे सैनिक इसी भावना से देश की सेवा करते हैं और हमें उन पर गर्व है। आप हमारे देश के साथ खिलवाड़ करके बच नहीं सकते। संदेश जोरदार और स्पष्ट है। हमारे रक्षा बल आपको नरक तक खदेड़ देंगे और वहीं बसा देंगे। यह लड़ाई अंत तक चलेगी। ऑपरेशन सिंदूर को सटीकता और संयम के साथ अंजाम देने के लिए हमारे बहादुर सशस्त्र बलों को सलाम करता है। उन्होंने कहा, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह, भारत की दो बहादुर बेटियाँ, पूरे जोश के साथ खड़ी हैं और देश को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दे रही हैं। संदेश साफ है, भारत आतंकवादियों और उन्हें पनाह देने वालों को कुचल देगा। यही नारी शक्ति है। यही राष्ट्र शक्ति है।

हमें अपने देश के बहादुर सैनिकों पर गर्व है : सच्चिदानंद 'पोखरियाल'

भारत का बदलता शासन follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं पूर्व राज्यमंत्री सच्चिदानंद शर्मा 'पोखरियाल' ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की बहन बेटियों के सिंदूर को मिटाने वाले आतंकियों के खात्मे के लिए लॉन्च किया गया था. भारतीय सैनिकों के पराक्रम के आगे पाकिस्तान नतमस्तक हो गया है. भारतीय सैनिकों ने ऐसा पराक्रम दिखाया है कि पाकिस्तान पिछली सभी लड़ाइयों के साथ-साथ 2025 में हुई इस लड़ाई को भी याद रखेगा. ये लड़ाई सिर्फ सैनिकों से नहीं थी. बल्कि हिंदुस्तान के सभी लोगों से थी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में भारत को एक ऐसा नेतृत्व मिला है जो अपने दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब देने में सक्षम है. उन्होंने आगे कहा कि भारतीय सेना के दम पर भारतवासी अपने घरों में आराम से रह रहे हैं. भारतीय सेना के अदम्य साहस और शौर्य की वजह से हमें विजय मिली है. आज मां भारती के सामने पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है, हमें अपनी भारतीय सेना और अपने बहादुर सैनिकों पर गर्व है। 140 करोड़ देशवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। देश के लोग सैनिकों के साहस और उत्साह के लिए देश की सेना के साथ खड़े हैं।

INDIAN PHYSIOTHERAPY & OSTEORHAB CENTRE
DR. RAJENDRA YADAV
BPT, MPT (NEURO)
Certified International Sports and Manual Therepy
Cont.: 8218970094
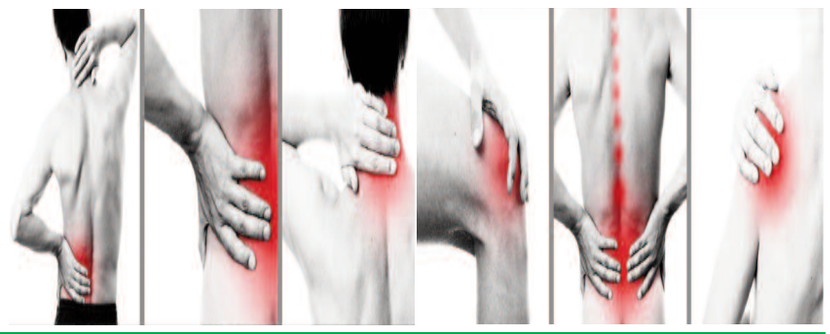
3/3, NEW CANTT ROAD, SALAWALA BRIDGE, HATHIBARKALA, DEHRADUN

Om Multi Speciality Hospital & Ayush Center

- 24 HOUR EMERGENCY
- AMBULANCE FACILITY AVAILBLE
- Consultation fees 200/- Only
- OPD Service Availble (from 10.00 am to 1.00 pm & 6.00 pm to 10.00 pm)
- Dental OPD (Timing- 10.00 am to 3.00 pm)

24/7 Emergency Services
Khasra No. 262/2, Garhi Market, 5 no. bhatta Road,
Near RKGIT College, Ghaziabad (U.P.) Ph. 8595362792, 9990205544

PREM-DHARAM HOSPITAL & DIAGNOSTICS
10 D - 180, Near Kishan Chowk, Sector - 10, Vasundhara, Ghaziabad,
U.P. (201012) Ph.: 0120-4127778
24 HOUR EMERGENCY
AC AMBULANCE
CASHLESS FACILITY AVAILBLE

Free home delivery ™ since 1994 M: 9212152831
UPASNA PHARMACY
Your One Stop Meds Spet
(FORMERLY KNOWN AS GUPTA MEDICAL STORE)
ALLOPHATHIC HOMOEOPATHIC AYURVEDIC VETERINARY NUTRITION COSMETICS

Pure Vegetarian
SINCE:1999
Free Home Delivery
अपनी रसोई ®
FAMILY RESTAURENT
SPL. ARRANGEMENT FOR INDOOR, OUTDOOR PARTY
LUNCH DINNER THALI CHINES
We Prepare Our Food with 100 % Pure Panner, Desi Ghee, Amul Butter, Amul Cream, Ashirwaad Atta
HYGIENE QUALITY QUANTINTY
8929515157, 8929515156
Kh. No. 1056 Rajnagar extension, Ghaziabad, UP 201001 (Near Signature Home Society)

SBN PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO C.B.S.E. (NEW DELHI)
Uttranchal Nagar, Nandgram/ Rawali Kalan Ghaziabad
"एस0बी0एन0 पब्लिक स्कूल पुष्पराज एक आशा ट्रस्ट के तहत अल्प आय वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर
School Code 60195
Affiliation No. 2130435
Monthly Fees- Nur., LKG, UKG 500/-
1st. & 2nd. 600/-
3rd, 4th, 5th 700/-
6th, 7th, 8th 800/-
9th 1,000/-
11th 1,200/-

Er. Tarun Rawat
(Director SBN Group)
कोई न छूटे अबकी बार, शिक्षा है सबका अधिकार
ADMISSION OPEN
(Session 2025-26)
Mob.: 9350183824 / 9871431939

राजनगर एक्सटेंशन का एक मात्र मल्टीस्पेशिलिटी आधुनिक हॉस्पिटल
रामानुज अस्पताल
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL
(50 बैड का मल्टीस्पेशलिटी आधुनिक अस्पताल)
(NABH PRE ENTRY ACCREDITED)
EMERGENCY 24 hr SERVICES

24 घंटे इमरजेंसी, एम्बुलेन्स और फार्मेसी की सुविधा
गरीब मरीजों के लिये फ्री इलाज की सुविधा (आयुष्मान भारत योजना के अर्न्तगत)
- OPD / IPD / DAYCARE
- ICU (Ventilator)
- NICU
- General/Private Ward
- OT (Modular)
- X-RAY (HINDRAYS/FUJIFILM)
- ULTRASOUND (GE LOGIQ.V5 EXPERT)
- ECG (GE)
- C-ARM (ALLENGER)
- ECHO/COLOUR DOPPLER
- PATHOLOGY LAB
CAPF / CGHS / ALL TPA AVAILABLE
EMERGENCY CALL
9716833714
9716833715
9716833716
RAMANUUJ HOSPITAL
158, Rajnagar Extension
near Agarwal heights,
kdp gol chakkar,Ghaziabad (U.P.)